राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,२८ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२९ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2022 तक भारत में होंगे पेट्रोल-डीजल नहीं बल्कि पूरी तरह एथेनॉल से चलने वाले वाहन

नई दिल्ली। ग्रीन एनर्जी अपनाने की वैश्विक दौड़ में भारत ने आगे बढ़ते हुए पेट्रोल-डीजल के वैकल्पिक जैविक ईंधनों की तलाश तेज कर दी है। इस कड़ी में केंद्र सरकार ने 100 फीसदी एथेनॉल ईंधन वाले दुपहिया, तीन पहिया व चार पहिया वाहनों को बाजार में उतारने का मन बना लिया है। यह दीगर बात है कि देश में एथेनॉल के उत्पादन व उपलब्धता में कमी है। पर सरकार का मानना है कि पर्यावरण अनुकूल जैविक ईंधन सस्ता, सतत, स्वच्छ और टिकाऊ होगा। वहीं, वनस्पति, गन्ना, कृषि अवशेष से जैविक ईंधन बनने के कारण किसानों को आय का नया जरिया मिलेगा। इस दिशा में अभी से प्रयास करने होंगे। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने पिछले हफ्ते एथेनॉल के 100 फीसदी बतौर जैविक ईंधन प्रयोग संबंधी प्रारूप को तैयार कर लिया। मंत्रालय की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड कमेटी (एआईएससी) ने ई-100 (एथेनॉल-100) प्रोटोटाइप वाहनों के लिए संरक्षा प्रक्रियात्मक नियम बनाए हैं। इससे वाहन चालक और यात्रियों सहित पंप कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पेट्रोल में 10 फीसदी मिश्रित एथेनॉल के प्रयोग करने पर वाहनों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं करना पड़ता है। एथेनॉल की मात्रा 20 फीसदी होने पर वाहन के कुछ कंपोनेट बदले जाते हैं। एथेनॉल यानी ई-85, ई-95 व ई-100 प्रतिशत होने पर वाहन व इंजन के डिजाइन में बदलाव करना अनिवार्य हो जाता है। इसके बगैर वाहन नहीं चलाए जा सकते। अन्यथा यात्री व वाहन भारी नुकसान होने का खतरा रहता है। अधिकारी ने बताया कि ई-85 से ई-100 वाहनों के नए मानकों में सुरक्षा के उपाय और फ्लेक्स इंजन का प्रावधान किया गया है। आधुनिक फ्लेक्स इंजन के भीतर लगे सेंसर ईंधन भरते समय एथेनॉल की मात्रा बता देंगे। इसके साथ ही इंजन की ट्यूनिंग सेट हो जाएगी।

मोदी बोले-विदेशी उत्पादों के विकल्प भारत में आसानी से उपलब्ध

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चार दिन बाद नया साल शुरू होने वाला है। अब अगली मन की बात 2021 में होगी। उन्होने कहा कि देश में नया सामर्थ्य पैदा हुआ है। इस नई सामर्थ्य का नाम आत्मनिर्भरता है। प्रधानमंत्री का यह मासिक रेडियो कार्यक्रम है, जो हर महीने के आखिरी रविवार को प्रसारित किया जाता है।

- आज के ही दिन गुरु गोविंद जी के पुत्रों, साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। अत्याचारी चाहते थे कि साहिबजादे अपनी आस्था छोड़ दें, महान गुरु परंपरा की सीख छोड़ दें, लेकिन हमारे साहिबजादों ने इतनी कम उम्र में भी गजब का साहस दिखाया, इच्छाशक्ति दिखाई। दीवार में चुने जाते समय, पत्थर लगते रहे, दीवार ऊँची होती रही, मौत सामने मंडरा रही थी, लेकिन, फिर भी वो टस-से-मस नहीं हुए- पीएम मोदी

- साथियो, हमें वोकल फॉर लोकल की भावना को बनाये रखना है, बचाए रखना है, और बढ़ाते ही रहना है। आप हर साल न्यू ईयर रेजोल्यूशन लेते हैं, इस बार एक रेजोल्यूशन अपने देश के लिए भी जरुर लेना है-पीएम मोदी

- देश के सम्मान में सामान्य मानवी ने इस बदलाव को हमसूस किया है। मैंने देश में आशा का एक अद्भुत प्रवाह भी देखा है। चुनौतियां खूब आई, संकट भी अनेक आए। कोरोना के कारण दुनिया में

'मन की बात' के 71वें संस्करण में पीएम मोदी ने नए कृषि कानूनों के फायदे गिनाए थे। उन्होंने कृषि कानूनों में किए गए बदलावों को किसानों के लिए नई संभावनाओं के दरवाजे खोलने वाला बताया था। उन्होंने कहा था कि कम समय में ही किसानों को इसका लाभ मिलने लगा है।

सप्लाइ चेन को लेकर अनेक बाधाएं भी आई, लेकिन हमने हर संकट से नए सबक लिए-पीएम मोदी अधिकतर पत्रों में लोगों ने देश के सामर्थ्य, देशवासियों की सामूहिक शक्ति की भरपूर प्रशंसा की है। जब जनता कर्फ्यू जैसा अभिनव प्रयोग, पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बना, जब ताली-थाली बजाकर देश ने हमारे कोरोना वॉरियर्स का सम्मान किया था, एकजुटता दिखाई थी उसे भी कई लोगों ने याद किया है- पीएम मोदी

- कोरोना के कारण, आपूर्ति श्रृंखला दुनिया भर में बाधित हो गई, लेकिन हमने प्रत्येक संकट से नए सबक सीखे। राष्ट्र ने नई क्षमताओं को भी विकसित किया है। इस क्षमता को हम आत्मनिर्भरता कह सकते हैं- पीएम मोदी

नए कृषि कानूनों के खिलाफ एक महीने से किसान दिल्ली बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं। इसी बीच सरकार ने किसानों से फिर बातचीत की पेशकश की, जिसे आंदोलनकारी किसानों ने स्वीकार कर लिया है। इसके लिए 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे का वक्त तय किया गया है। वहीं, कुछ किसान संगठनों ने ताली और थाली बजाकर पीएम मोदी के कार्यक्रम का विरोध जताने की बात कही है।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को एक ट्वीट कर बताया कि लोग कार्यक्रम का प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, डीडी और नरेंद्र मोदी मोबाइल ऐप पर देख सकते हैं। पीएम ने 18 दिसंबर को कार्यक्रम के लिए लोगों से सुझाव मांगे थे। पीएम ने कहा था, आप इस वर्ष को कैसे पूरा करेंगे? 2021 में आप सबसे आगे क्या देखते हैं? इसे मेरे साथ साझा करें।

ठंड को देखते हुए मौसम विभाग की लोगों को सलाह- 'न पीएं शराब और रहें घर के भीतर'

नई दिल्ली। ये साल लगभग खत्म हो चुका है। नए साल के जश्न की तैयारियां चल रही हैं और ठंड भी अपना कह जमकर बरसा रही है। इसी बीच अगर नए जश्न में आप शराब पीने का प्लान बना रहे हैं तो थोड़ा रूक कर सोच लें, शायद ये अच्छा विचार नहीं है। भारत के मौसम विभाग उत्तर भारत में तेज शीत लहर चलने के संकेत दिए हैं। साथ ही ये भी कहा है कि घर या साल के अंत में पार्टियों में शराब पीना एक अच्छा विचार नहीं है। आईएमडी की एक एडवाइजरी में कहा गया है, 'शराब न पीएं, ये आपके शरीर के तापमान को कम कर सकती है, घर के अंदर रहिए. विटामिन सी का भरपूर सेवन करिए, फल खाइए. गंभीर ठंड की स्थिति का सामना करने के लिए अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज करें।' अपने नई प्रभाव-आधारित एडवाइजरी में, आईएमडी ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में 29 दिसंबर से 'गंभीर' शीत लहर चलने वाली है। आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि हिमालय की ऊपरी पहुंच को प्रभावित करने वाले एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रविवार और सोमवार को पारा थोड़ा बढ़ जाएगा, लेकिन राहत ज्यादा लंबे समय के लिए नहीं होगी। पश्चिमी विक्षोभ के हट जाने के बाद और उत्तर-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम में निचले स्तर की हवाओं में ठंडी और शुष्कता के परिणामस्वरूप मजबूती के प्रभाव के कारण 29 दिसंबर के बाद पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में फिर से 'गंभीर शीत लहर' की स्थिति 'ठंडी' हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 28 और 29 दिसंबर को और उत्तरी राजस्थान में 29 और 30 दिसंबर को 'कोल्ड डे' की स्थिति होने की संभावना है। 28 दिसंबर, 29 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में घना कोहरा छा सकता है। IMD के अनुसार, एक 'कोल्ड डे' या 'गंभीर कोल्ड डे' तब माना जाता है जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम हो और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस या 6.4 डिग्री सेल्सियस से कम हो।

यूपी में परिवहन विभाग सख्त, गाड़ियों पर लिखी अपनी जाति तो होगी ये करवाई

कानपुर। उत्तर प्रदेश में वाहनों पर अब 'जातिवाद' नहीं चल सकेगा। परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों को सीज करने के आदेश प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से आए निर्देश पर जारी किए हैं। इसके पीछे महाराष्ट्र के शिक्षक हर्षल प्रभु का लिखा पत्र है, जिसमें उन्होंने यूपी में दौड़ते 'जातिवादी' वाहनों को सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा बताया था। उत्तर प्रदेश में कार-बाइक, बस-ट्रक ही नहीं ट्रैक्टर और ई-रिक्शा तक पर 'ब्राह्मण', 'क्षत्रिय', 'जाट', 'यादव', 'मुगल', 'कुरेशी' लिखा हुआ दिख जाता है। मुंबई के उपनगर कल्याण के रहने वाले शिक्षक हर्षल प्रभु ने प्रधानमंत्री का ध्यान इस तरफ दिलाया। उन्होंने आईजीआरएस पर पीएम मोदी से शिकायत की। लिखा कि उप्र व कुछ अन्य राज्यों में वाहनों

पर जाति लिखकर लोग गर्व महसूस करते हैं। इससे सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचता है। यह कानून के खिलाफ है। भारत वैसे भी जाति आधारित अपराधों के प्रति संवेदनशील है। इस पर तुरंत रोक लगानी चाहिए। पीएमओ ने यह शिकायत उप्र भेजी। इस पर अपर परिवहन आयुक्त मुकेश चंद्र ने ऐसे वाहनों के खिलाफ तुरंत अभियान चलाने का आदेश दिया है। उन्होंने सभी आरटीओ से कहा है कि 'जाति' चाहे वाहन पर लिखी हो या नंबर प्लेट पर, ऐसे वाहनों को तुरंत सीज करें। वाहनों पर या नंबर प्लेट पर जातिसूचक शब्द नहीं लिखे जाने चाहिए। उल्लंघन पर वाहन सीज किया जाएगा। हमारी प्रवर्तन टीमों के मुताबिक औसतन हर बीसवें वाहन पर जाति लिखी पाई जाती है। मुख्यालय ने ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। कानपुर जोन के सभी आरटीओ को तुरंत कार्रवाई को कहा गया है।

- डीके त्रिपाठी, उप परिवहन आयुक्त कानपुर

सामाजिक-राष्ट्रीय मुद्दे उठाते हैं हर्षल-मोदी से शिकायत करने वाले हर्षल प्रभु ने संवाददाता से बातचीत में कहा- वाहन तक में जाति लिखना सामाजिक ताने-बाने के लिए अच्छा नहीं है। उप्र में ऐसा खूब होता है। मुझे इसके बारे में उप्र के दोस्त आशीष कनौजिया से पता चला था। इस पर नियंत्रण होना चाहिए। मैं लगातार ऐसे बिंदुओं पर जिम्मेदारों को लिखता रहता हूं। पिछले दिनों मैंने ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के डैम, मानव तस्करी, कोरोना आइसोलेशन सेंटरों की दुर्गति आदि पर भी शिकायतें की थीं। ज्यादातर का संज्ञान लिया गया।

कोरोना काल में 60 से ज्यादा फैसले दे सुप्रीम कोर्ट ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कोरोना काल में सुप्रीम कोर्ट 60 से ज्यादा फैसले दिए, जिनमें सर्वोच्च अदालत ने कई महत्वपूर्ण कानूनी सवालों के जवाब दिए। ये फैसले वर्चुअल सुनवाई के जरिए दिए गए, जो स्वयं में एक रिकॉर्ड है। इनमें से कुछ फैसले ऐसे हैं, जो कई मायनों में अहम हैं।

अग्रिम जमानत सीमित समय के लिए नहीं हो सकती

(सुशीला अग्रवाल बनाम स्टेट)-जस्टिस अरुण मिश्र (अब रिटायर) की अध्यक्षता में संविधान पीठ ने कहा गिरफ्तारी से पहले दी गई अग्रिम जमानत की कोई सीमा नहीं हो सकती। यदि कोर्ट के सामने इसी कोई स्थिति है जिसमे अभियुक्त की जमानत को सीमित करना हो , जैसे चार्जशीट दायर होने तक आदि, तो कोर्ट उसे शर्त के साथ सीमित कर सकता है अन्यथा ये असीमित ही रहेगी यानी ट्रायल का फैसला होने तक अभियुक्त जमानत पर बना रहेगा। इस फैसले से इस बहुत बड़े सवाल का जवाब मिल गया। क्योंकि सामान्य तौर पर आरोप तय कर दिए हों / या चार्जशीट दायर होते ही/ या अभियुक्त को कोर्ट द्वारा समन करते ही जमानत को समाप्त मान लिया जाता था।

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को नियुक्ति का पूर्ण अधिकार नहीं

(प.बं. मदरसा आयोग बनाम समिउला)-सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस यू यू ललित की कयादत में तीन जजों की बेंच ने पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग, 2008 की वैधानिकता को सही ठहराया और कहा कि अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को संस्थानों में नियुक्ति का पूर्ण अधिकार नहीं है, से कानून में हिसाब से ही नियुक्तियां कर सकते हैं।

बिहार में छह दशक बाद कृषि शिक्षा परिषद बहाल

पटन। बिहार सरकार ने कृषि शिक्षा पर नजर रखने के लिए राज्य कृषि शिक्षा परिषद का गठन कर दिया है। महत्व को देखते हुए राज्य में इस परिषद को 60 वर्षों के बाद फिर बहाल किया गया है। अब छह दशक बाद यह परिषद विश्वविद्यालयों में होने वाली कृषि की पढ़ाई को छोड़कर अन्य संस्थानों में हो रही पढ़ाई व प्रशिक्षण कोर्स पर नजर रखेगी। उनकी परीक्षा संचालन और सिलेबस निर्धारण की जिम्मेवारी भी इस परिषद के पास होगी। इसके लिए परिषद में कृषि व शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ किसानों को भी जगह दी गई है। किसानों के प्रतिनिधि क्षेत्र की जरूरत के हिसाब से कोर्स का सिलेबस बनाने में मदद करेंगे। गौरतलब है कि सरकार ने राज्य में कृषि शिक्षा पर नजर रखने को एक परिषद की जरूरत 1961 में महसूस की थी। उस समय इसकी नियमावली बनी, गठन भी हुआ, पर काम नहीं हो सका। यानी उस समय भी सरकार को स्नातक से नीचे स्तर में कृषि की पढ़ाई की जरूरत महसूस हुई थी, लेकिन परिषद को भंग करने का मुख्य कारण था कि स्नातक से नीचे कृषि की पढ़ाई उस समय राज्य में शुरू नहीं जा सकी। लिहाजा कुछ ही समय बाद इस परिषद की उपयोगिता समाप्त हो गई।

परिषद की जिम्मेवारी परीक्षा लेने की भी

परिषद की जिम्मेवारी इन शिक्षा व्यवस्था को संचालित करने के साथ परीक्षा लेने की भी होगी। किसी भी कोर्स का सिलेबस बनाने में परिषद को वर्तमान जरूरत के साथ भविष्य में संभावित बदलाव को भी ध्यान रखना होगा।

कृषि निदेशक अध्यक्ष तो उप निदेशक होंगे सचिव

कृषि सचिव डॉ. एन सरवण कुमार ने परिषद का अध्यक्ष कृषि निदेशक आदेश तितरमारे को बनाया है। सचिव के रूप में उप निदेशक अनिल झा काम करेंगे। उद्यान निदेशक भूमि सरंक्षण निदेशक, बामेती निदेशक, राज्य के दोनों कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी निदेशक, प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र मुजफ्फरपुर के प्राचार्य, अपर कृषि निदेशक और राज्य के चारों जलवायु क्षेत्र के एक-एक किसान प्रतिनिधि इसके सदस्य होंगे।

स्नातक से नीचे की कृषि शिक्षा पर रखेगी नजर

राज्य में एनडीए सरकार ने दूसरे कृषि रोडमैप से ही राज्य में इंटर कृषि के साथ स्कूल स्तर पर भी कृषि की पढ़ाई शुरू कर दी है। कृषि रोडमैप में प्रसार शिक्षा पर भी काफी जोर है। सरकार के इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए बामेती जैसी संस्थाएं कई सर्टिफिकेट कोर्स भी चला रही हैं। बामेती में किसानों के साथ कृषि उत्पाद की मार्केटिंग करने वालों के लिए भी कोर्स है। अब पढ़ाई कराने वाली संस्था ही सिलेबस बनाए व वही परीक्षा ले, इसमें अनियमितता की गुंजाइश भी रहती है। लिहाजा सरकार ने पूरी व्यवस्था पर नजर रखने को राज्य में कृषि शिक्षा परिषद का गठन कर दिया है।

डब्लूएचओ प्रमुख बोले- कोरोना कोई आखिरी महामारी नहीं है जो सारा पैसा इस पर उड़ा दिया जा रहा

नई दिल्ली। दुनियाभर में कोरोना का उत्पात जारी है। अभी तक लोग सटीक तरह से काम करने वाली वैक्सीन का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लूएचओ) के प्रमुख ने कहा कि कोरोना वायरस संकट अंतिम महामारी नहीं होगी, और मानव स्वास्थ्य में सुधार के प्रयास, जलवायु परिवर्तन और पशु कल्याण से निपटने की कोशिश के बिना बेकार हैं।

Tedros Adhanom Ghebreyesus ने आगे के बारे में सोचे बिना इन महामारी पर अथाह पैसा खर्च कर देने की भी निंदा की। रविवार को महामारी की तैयारी के पहले अंतर्राष्ट्रीय दिवस को चिह्नित करते हुए उन्होंने एक वीडियो मेसेज जारी किया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि यह कोविड -19 महामारी से सबक सीखने का समय था। उन्होंने कहा- बहुत लंबे समय के लिए, दुनिया ने महामारी के आतंक के एक चक्र पर काम किया है।

हम एक महामारी पर पैसा खर्च कर देते हैं, और जब यह खत्म हो जाता है, तो हम इसके बारे में भूल जाते हैं और अगले को रोकने के लिए कुछ भी नहीं करते। यह खतरनाक रूप से अदूरदर्शी और समझने में मुश्किल है। ÷ वैश्विक तैयारी निगरानी बोर्ड की सितंबर

2019 में स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए दुनिया की तत्परता पर पहली वार्षिक रिपोर्ट - नोवेल कोरोना वायरस की शुरुआत से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुई। इसमें कहा गया कि दुनिया इस विनाशकारी महामारी के लिए तैयार नहीं थी।

टेड्रोस ने कहा- इतिहास बताता है कि यह कोई आखिरी महामारी नहीं होगी, और महामारी जीवन का एक सच है। उन्होंने कहा महामारी ने मनुष्यों, जानवरों और ग्रह के स्वास्थ्य के बीच अंतरंग संबंधों को उजागर किया है। एएफपी द्वारा संकलित आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पिछले दिसंबर में चीन में फैलने के बाद से नोवल कोरोना वायरस से कम से कम 1.75 मिलियन लोग मारे गए हैं और लगभग 80 मिलियन मामले सामने आए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में, हमारी दुनिया उलटी हो गई है। महामारी के प्रभाव समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए दूरगामी परिणामों के साथ ही बीमारी से भी आगे निकल जाते हैं।

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अधिकारी क्टर मारगारेट हैरिस ने कहा था कि केवल टीके से कोरोना के प्रसार को नहीं रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय से ही इसको रोका जा सकता है। टीके कोरोना को रोकने में मददगार हो सकता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने संदेश में लोगों से छुट्टियों के दौरान विशेष सावधानी बरतने और गले मिलने से परहेज करने के लिए कहा है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आपात मामलों के प्रमुख डॉ. माइकल रेयान ने कहा कि खासकर अमेरिका में कोविड-19 के मामलों और संक्रमण से होने वाली मौत के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इसका यही मतलब है कि लोगों को इस साल अपने प्रियजनों के ज्यादा करीब आने से बचना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मौकापरस्त राजनीति

कृषि कानूनों पर किसान नेताओं को उकसाने में जुटे विभिन्न दलों के नेता किस तरह घोर अवसरवादी और एक तरह से छल-कपट भरी राजनीति का परिचय दे रहे हैं, इसका पता खुद उनके उन पुराने बयानों से चलता है, जिनमें वे किसानों को बिचौलियों से मुक्त करने और उन्हें अपनी मर्जी से अपनी उपज बेचने की व्यवस्था करने की जरूरत जता रहे थे। गत दिवस भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी के उस वीडियो को सार्वजनिक किया, जिसमें वह लोकसभा में यह कहते हुए देखे-सुने जा सकते हैं कि किसानों को बिचौलियों से बचाने की जरूरत है। राहुल गांधी की तरह सोनिया गांधी का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक सभा में किसानों के लिए बिचौलिया मुक्त बाजार की जरूरत पर बल देती हुई नजर आ रही हैं। यह हैरानी की बात है कि आज समूची कांग्रेस इन्हीं बिचौलियों की तरफदारी करने में लगी हुई है। वह ढिठाई के साथ इसकी भी अनदेखी कर रही है कि पिछले लोकसभा चुनाव के अवसर पर जारी अपने घोषणा पत्र में उसने उसी तरह के कानून बनाने का वचन दिया था, जैसे मोदी सरकार ने पिछले दिनों बनाए। केवल इतना ही नहीं, पंजाब विधानसभा चुनाव के अवसर पर भी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में इसी तरह के कानून बनाने का वादा किया था। इसी तरह का वादा आम आदमी पार्टी ने भी किया था। वास्तव में कृषि उपज की खरीद-बिक्री से बिचौलियों को दूर करने की वकालत अन्य अनेक दलों के नेता भी करते रहे हैं। इस आशय के प्रमाण भी उपलब्ध हैं। इनमें प्रमुख हैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार और उनकी सांसद बेटी सुप्रिया सुले। एक सच यह भी है कि मंडी समितियों में बिचौलियों के वर्चस्व को खत्म करने की मांग अनेक किसान नेता भी करते रहे हैं। यह देखना दयनीय है कि इन किसान नेताओं में से कई अब किसान हित के नाम पर बिचौलियों के हित साधने में लगे हुए हैं। इनमें से कुछ तो वे भी हैं, जिन्होंने कुछ माह पहले संसद से पारित कृषि कानूनों की तारीफ करते हुए कहा था कि आखिरकार उनकी एक पुरानी मांग पूरी हुई। समझना कठिन है कि वे यकायक पलटी क्यों मार गए? चूंकि इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं इसलिए इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि वे अपने किन्हीं संकीर्ण हितों को पूरा करना चाह रहे हैं। इससे बुरी बात और कोई नहीं हो सकती कि किसान नेता ही किसानों के भविष्य से खिलवाड़ करें। दुर्भाग्य से यही काम कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल भी कर रहे हैं। वे ऐसा करके अपनी विश्वसनीयता को ही नष्ट कर रहे हैं।

कितना सफल होगा कांग्रेस वाम मिलन ?

– रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी को वामपंथी मोर्चे से गठबंधन करने की मंजूरी दे दी है। वहां 2021 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वामपंथी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। हालांकि 2016 का विधानसभा चुनाव भी कांग्रेस ने वाम मोर्चे के साथ मिलकर लड़ा था मगर उसके बाद यह गठबंधन टूट गया। 2019 के लोकसभा का चुनाव दोनों दलों ने अलग-अलग लड़ा था। कांग्रेस ने 2011 के विधानसभा चुनाव में वाममोर्चा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी से गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। जिसमें उन्होंने वाम मोर्चे को करारी शिकस्त दी थी तथा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस पार्टी शामिल हुई थी। बाद में कांग्रेस के ममता बनर्जी से संबंधों में कड़वाहट उत्पन्न हो जाने के कारण उनका गठबंधन टूट गया तथा कांग्रेस ममता मंत्रिमंडल से अलग हो गई। 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वामदलों ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इसके बावजूद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने 294 सीटों में से 211 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। तृणमूल कांग्रेस को दो करोड़ 45 लाख 64 हजार 523 यानी 44.91 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा ने 291 सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र 3 सीटें जीती थी। उसे 55 लाख 55 हजार 134 यानी 10.16 प्रतिशत वोट मिले थे। माकपा ने 148 सीटों पर चुनाव लड़कर 26 सीटें जीती थी। पार्टी को एक करोड़ 8 लाख 2 हजार 58 यानी 19.75 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस ने 92 सीटों पर चुनाव लड़कर 44 सीटें जीती। कांग्रेस को 67 लाख 938 वोट मिले जो 12.25 प्रतिशत थे। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने 25 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीटें जीती थी। उसे 15 लाख 43 हजार 764 यानी 2.82 प्रतिशत वोट मिले थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर 1 सीट जीती थी। उसे 7 लाख 91 हजार 925 यानी 1.45 प्रतिशत वोट मिले थे। रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ने 19 सीटों पर चुनाव लड़कर 3 सीटें जीती थी। उसे 9 लाख 11 हजार 4 वोट यानी 1.67 प्रतिशत वोट मिले थे। इन आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस वाम मोर्चे के गठबंधन में सबसे अधिक फायदा कांग्रेस को ही हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने मात्र 92 सीटों पर चुनाव लड़कर 44 सीटें जीती थी। जबकि वामपंथी दल 202 सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र 32 सीटें ही जीत पाए थे। 44 सीटें जीतने के कारण कांग्रेस को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी मिला था। हालांकि बाद में कांग्रेस के बहुत से नेता पार्टी छोड़कर दूसरे दलों में शामिल हो गए। उसके बाद बंगाल में कांग्रेस की हालत बहुत खराब हाती चली गई। जहां 2016 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के 44 विधायक चुनाव जीते थे। उनकी संख्या घटकर अब मात्र 23 रह गई है। वहीं भाजपा के मात्र 3 विधायक जीते थे जिनकी संख्या बढ़कर 19 हो गई है। माकपा के भी 25 विधायक जीते थे उनकी संख्या भी 19 रह गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान तृणमूल कांग्रेस में विपक्षी दलों के 8 विधायक व भाजपा में 16 विधायक शामिल हो चुके हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा ने लंबी छलांग लगायी व तृणमूल कांग्रेस के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को 42 में से 22 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। उसे 2 करोड़ 47 लाख 57 हजार 345 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 44.91 प्रतिशत थे। भाजपा को 18 लोकसभा सीटों पर जीत मिली। जबकि उससे पूर्व बंगाल में भाजपा के मात्र दो सांसद थे। भाजपा को 2 करोड़ 30 लाख 28 हजार 517 वोट मिले थे। जो कुल मतदान का 40.70 प्रतिशत थे। पिछले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को भाजपा से मात्र 2.60 प्रतिशत वोट ही अधिक मिले थे। कांग्रेस ने लोकसभा की मात्र 2 सीटें जीती थी। उसे 32 लाख 10 हजार 491 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 5.67 प्रतिशत थे। पिछले लोकसभा चुनाव में बंगाल में माकपा सहित वाम मोर्चे का खाता भी नहीं खुला था। माकपा को 35 लाख 94 हजार 286 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 6.30 प्रतिशत थे। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व वाममोर्चा तो मुख्य मुकाबले से भी दूर रहे थे। असली मुकाबला तृणमूल कांग्रेस व भाजपा के बीच हुआ था। पश्चिम बंगाल में पिछले 10 वर्षों से तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी एकछत्र राज कर रही हैं। उससे पूर्व पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों तक वाममोर्चा व 25 वर्षों तक कांग्रेस ने शासन किया था। मगर अब स्थितियां एकदम से पलट गई हैं। वर्तमान में वहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस व भाजपा में होना तय माना जा रहा है। वर्तमान समय में तो कांग्रेस व वाममोर्चा मुख्य मुकाबले में कहीं नजर नहीं आ रहा है। भाजपा नेताओं ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 200 सीटें जीतने का आह्वान भी कर दिया है। उसी श्रृंखला में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अनेकों वरिष्ठ नेता पश्चिम बंगाल पर पूरा फोकस किए हुए हैं। अमित शाह ने तो विधानसभा चुनाव तक हर माह पश्चिम बंगाल का दौरा करने की बात कही है। भाजपा ने वहां एक दर्जन केन्द्रीय मंत्रियों को विभिन्न क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लगातार दौरा करने से वहां के कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी बढ़ा है। हाल ही में अमित शाह की मेदनीपुर रैली में ममता सरकार में वरिष्ठ मंत्री रहे शुभेंदु अधिकारी सहित विभिन्न दलों के 10 विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। जिससे तृणमूल कांग्रेस को भी काफी परेशानी हो रही है। भाजपा के आक्रमक चुनाव अभियान को देखकर पश्चिम बंगाल में कांग्रेसी इकाई के नेताओं ने भी राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से मांग की है कि वो भी पश्चिम बंगाल का दौरा कर वहां के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएं। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का वाम मोर्चे से गठबंधन तो हो चुका है मगर सीटों पर फैसला नहीं हुआ है। 2016 के विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चे ने कांग्रेस को मात्र 92 सीटें दी थी। जिसमें कांग्रेस का चुनाव परिणाम वाम मोर्चे से बहुत अच्छा रहा था। लोकसभा चुनाव में वाम मोर्चे को जहां एक भी सीट नहीं मिली वहीं कांग्रेस 2 सीटें जीतने में सफल रही थी। ऐसे में इसबार कांग्रेस पहले से कहीं अधिक विधानसभा की सीटें मांग सकती है। वैसे भी 2011 से कांग्रेस विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल बनी हुई है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस वाम दलों का गठबंधन तृणमूल कांग्रेस, भाजपा के खिलाफ तीसरा मोर्चा बनकर कितनी टक्कर दे पाएगा, यह चुनाव के बाद पता लगेगा।

फिलहाल 2011 के विधानसभा चुनाव में शून्य पर आउट होने वाली भारतीय जनता पार्टी वहां सरकार बनाने की तैयारी कर रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी को भी ऐसी रणनीति बनानी चाहिए कि पश्चिम बंगाल में पिछले 44 वर्षों से उनकी सत्ता से जो दूरी बनी हुई है, वह समाप्त हो।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के ट्वीट

सेवा

जब देश की सेनाओं में कोई अपनी सेवा देता है, तो वह एक जज्बे के साथ जाता है, कि वह देश की हिफाजत करेगा मगर उसे इसका भी भरोसा होता है कि देश और समाज उसकी चिंता करेगा.

-- रक्षा मंत्री

ज्ञान गंगा

दूसरों से जलना

सद्गुरु/ ईर्ष्या को हमेशा से एक कुटिल भावना के रूप में देखा गया है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिये इसने बराबर काम किया है। ये मुझे प्रेरणा देती है। तो जब भी मेरे मित्र कुछ नया सीखते हैं तो मेरे अंदर से भाव आता है कि मैं उनसे बेहतर करूं। और शायद यही कारण है कि मैं अपने सपनों के कॉलेज में पहुंच गया हूं। तो, आपको क्या लगता है कि ईर्ष्या क्या एक नकारात्मक भावना है या यह आपको बेहतर करने के लिये प्रेरित करती है? सौभाग्यवश, आज के दिनों में ऐसा नही होता लेकिन उन दिनों, जब हम बड़े हो रहे थे, खास तौर से छोटे शहरों में, लोग मजा लेने के लिए, एक डिब्बे में पटाखे भर के किसी गधे की पूंछ से बांध देते थे। विशेष रूप से, दीवाली के दिनों में यह काफी लोकप्रिय था। जब पटाखे छूटने लगते तब वो बेचारा गधा इधर उधर भागता था, घोड़े से भी ज्यादा तेज। क्या आपको लगता है कि जीवन को प्रेरित करने का यह कोई अच्छा तरीका है? आपके पास और भी बेहतर और समझदार तरीके हैं। जब आपको लगता है कि आपकी पूंछ सुलग रही है तो आप दौड़ सकते हैं। लोग कहते हैं कि अगर कोई कुत्ता आपके पीछे पड़ जाए तो आप वाकई तेज दौड़ेंगे, लेकिन उसैन बोल्ट इसलिये तेज नहीं दौड़ते कि उनकी पूंछ में आग लगी है। वे इसलिए तेज दौड़ते हैं क्योंकि उन्होंने अपने पैरों और फेफड़ों को इस तरह तैयार किया है कि वे चाहे जैसे दौड़ें, वे सबसे तेज होंगे। क्या यह तेज दौड़ने का सही तरीका नहीं है? अब, यदि आप इसलिए तेज दौड़ना चाहते हैं कि एक कुत्ता आपके पीछे लगा है या आपकी पूंछ में आग लगी है तो यह तेज दौड़ने का सुखद तरीका नहीं है। अगर आप इसलिये तेज दौड़ना चाहते हैं कि कोई कुत्ता आपके पीछे लगा है या आपकी पूंछ में आग लगी है तो यह तेज दौड़ने का सुखद तरीका नहीं है। एक बात यह है कि आप तेज दौड़ते हैं। यह महत्वपूर्ण है, लेकिन दूसरी बात यह है कि तेज दौड़ने का आपका अनुभव शानदार है। क्या यह भी महत्वपूर्ण नहीं है? आप अपने सपनों के कॉलेज में आ गए हैं, लेकिन अब आपके लिए ये तीन साल नरक समान भी हो सकते हैं। क्या यह महत्वपूर्ण नहीं है कि ये तीन साल आपके जीवन का एक शानदार अनुभव बनें? सिर्फ दौड़ना महत्वपूर्ण नहीं है। आप इसे कैसे अनुभव करते हैं और कल इससे आपको क्या मिलता है, वह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वैसे घरों से सड़क की जिंदगी बेहतर

शबनम रामास्वामी समाजसेवी

पूरा इलाका गहरी नींद में था, मगर शबनम की आंखों में जिल्लत और ज्यादती की गहरी टीस ने डेरा डाल रखा था। बर्बर पति ने मार-पीटकर तीन साल के बेटे के साथ घर के बाहर धकेल दिया था। जिंदगी अजीब दोराहे पर ले आई थी। अंदर दुधमुंही बेटी थी, और बाहर एक नरक से छुटकारे का मौका। फैसला मुश्किल था, मगर पीछे हटना दोजख में लौटना था। शबनम ने अंतत- तय कर लिया कि इस घर से बेहतर तो बेघर होना है, और फिर तीन साल के मासूम बेटे को गोद में उठाए वह आगे बढ़ गईं। वह रात सियालदह रेलवे स्टेशन पर ही गुजरी, उनके पास कोई और ठिकाना भी कहां था! भोर होने से पहले के उन चंद घंटों में अब तक की जिंदगी जैसे चित्रपट के फ्लैश बैक की तरह घूम गई थी। मुर्शिदाबाद के काटना गांव में जन्मी शबनम अहमद अपने अब्बा-अम्मा की आंखों की नूर हुआ करती थीं। दादा का साधारण किसान परिवार था, मगर ठीक-ठाक गुजारा हो जाता था। नन्ही शबनम को कभी कोई कमी महसूस नहीं हुई। लेकिन पिता ने खानदानी खेती-किसानी से अलग पेशा चुना और डॉक्टरी की पढ़ाई की। उस दौर के एक गंवई परिवार के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि थी। पिता के डॉक्टर बनते ही शबनम के परिवार की तो जैसे दुनिया ही बदल गई। दादी की दिली तमन्ना थी कि उनकी पोती फर्राटेदार अंग्रेजी बोले, इसलिए शबनम जब पांच साल की हुईं, तब उन्हें लोरेटो आसनसोल स्कूल में डाल दिया गया। लेकिन जल्द ही पिता की फौज में नौकरी लग गई और फिर उसके बाद तो शबनम बेंगलुरु, दिल्ली जैसे महानगरों के स्कूलों में पढ़ती रहीं। मगर बार-बार स्कूल बदलने से होने वाली असुविधा को देखते हुए पिता ने उनका दाखिला कोलकाता के प्रतिष्ठित ला मार्टिनियर स्कूल में करा दिया। शबनम तब नौ साल की थीं। लड़कियों के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शुमार ला मार्टिनियर के हॉस्टल में रहकर ही उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की। छुट्टियों में वह अक्सर अपनी दादी से मिलने काटना लौटती थीं। वह जब भी अपनी और गांव की अन्य लड़कियों की जिंदगी के फर्क को देखतीं, तो मन में एक बेचैनी का भाव उमड़ आता- 'मैं फैंसी ड्रेस पहनती हूं, बालों में शैंपू करती हूं, बीटल्स को सुनती हूं, देश-दुनिया के साहित्य, वियतनाम युद्ध और ब्रा बर्निंग मूवमेंट से वाकिफ हूं, पर मेरे गांव की लड़कियां इन सबसे वंचित क्यों हैं?' तब शबनम सोचती थीं कि जब उनके पास खूब सारे पैसे होंगे, वह अपने गांव में वैसा ही एक स्कूल खोलेंगी, जैसे स्कूल में वह पढ़ती हैं। मगर जिंदगी की राह इतनी सरल-सपाट कहां होती है! इसका एहसास जल्द ही शबनम को हो गया। महज 16 साल की उम्र में उनकी शादी 34 साल के युवक के साथ कर दी गई। शबनम ने इसका विरोध भी किया, मगर सामाजिक परंपराओं से बंधा परिवार कहां सुनने वाला था। पति आर्किटेक्ट था और साथ ही चमड़े का कारोबारी भी। पर वह परिवार बेहद रूढ़िवादी था। शबनम को न घर से बाहर जाने की अनुमति थी और न ही किसी इनकार की इजाजत। आठ वर्षों में ही वह छह बार गर्भवती हुईं, मगर दो ही संतान जिंदा रह सकी। हर सातवें महीने उन्हें गर्भपात कराना पड़ता था।... अब सवाल था, स्टेशन पर कब तक रह सकेंगे? शरीर पर जो भी आभूषण थे, उनको बेचा और पिता के पास पनाह लेने पुणे पहुंचीं। मगर पिता को लगा कि उनकी सोहबत में उनके बाकी बच्चे बिगड़ जाएंगे। पिता के व्यवहार से आहत शबनम आखिरकार कोलकाता लौट आईं। सियालदह रेलवे स्टेशन पर ही कभी टीन-शेड के नीचे, तो कभी ट्रेन की बॉगी में दो माह तक वह आम और मुरही खाकर जीती रहीं। शबनम को अदद कमरे, नौकरी की जरूरत थी, ताकि वह विधिवत तलाक और बेटी को वापस ले सकें। अंग्रेजी अच्छी होने के कारण एक स्त्री रोग विशेषज्ञ के यहां उन्हें रिसेप्शनिस्ट की नौकरी मिल गई। पगार 1,200 रुपये थी। साल-दर-साल वह जिंदगी तराशती चली गईं। तलाक मिला, बेटी भी मिल गई और वह कोलकाता से दिल्ली चली आईं। शबनम दिल्ली में लावारिश बच्चों के लिए गठित 'सलाम बालक ट्रस्ट' से जुड़ीं। यहीं पर उनकी मुलाकात पत्रकार जुगनू रामास्वामी से हुई, जो यूनिसेफ के लिए एक डॉक्यूमेंट्री बना रहे थे। दोनों करीब आए, तो शादी भी कर ली। शबनम के सपनों को पूरा करने के लिए जुगनू ने दिल्ली का अपना घर बेच दिया। मगर उसे साकार देखने के लिए जीवित नहीं रहे। शबनम ने अपने पैतृक गांव में शानदार चार मंजिला स्कूल बनाया है- जागृति पब्लिक स्कूल। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस स्कूल में 12वीं तक की पढ़ाई होती है। इसमें 643 बच्चे पढ़ते हैं। बेहद किफायती फीस पर। शबनम लगभग 1,450 स्थानीय विधवाओं और गरीब औरतों के सहयोग से एक कंपनी 'स्त्री शक्ति' भी चलाती हैं, जिसका सालाना कारोबार करोड़ से ऊपर है। यह कंपनी कांथा साड़ियां व कपड़े बनाती और बेचती है। शबनम ने सैकड़ों ग्रामीण औरतों को आत्मनिर्भर बना दिया है।

प्रस्तुति :- चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

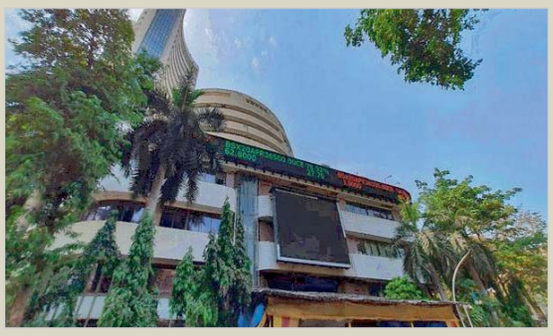

टीके की उम्मीद में 47 हजारी हो सकता है सेंसेक्स

मुंबई: कोविड-19 महामारी का टीका देश में आने की उम्मीद बढ़ने के साथ ही घरेलू शेयर बाजार लगातार नए कीर्तिमान बनाता जा रहा है और आने वाले सप्ताह में सेंसेक्स पहली बार 47 हजार अंक के पार बंद हो सकता है। बीते सप्ताह पहले दिन सोमवार को तीन प्रतिशत की जोरदार गिरावट के बावजूद बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताहांत पर 12.85 अंक की बढ़त में 46,973.54 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। बीच कारोबार में दो दिन यह 47 हजार अंक के पार पहुंचा लेकिन वहां टिक नहीं सका। कोविड-19 टीके की उम्मीद में आने वाले सप्ताह में इसके 47 हजार अंक से ऊपर बंद होने की पूरी उम्मीद है। ब्रिटेन में कोविड-19 के एक नए स्ट्रेन का संक्रमण तेजी से फैलने की खबर आने के बाद सोमवार को दुनिया के दूसरे शेयर बाजारों के साथ ही घरेलू स्तर पर भी बिकवाली काफी बढ़ गई। हालांकि अगले तीन दिन बाजार में तेजी रही। क्रिसमस के अवकाश के कारण शुक्रवार को बाजार बंद रहा। आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों के साथ इस बात पर भी रहेगी कि देश में कोविड-19 के टीकाकरण की दिशा में प्रगति किस रफ्तार से होती है। बुनियादी उद्योगों के उत्पादन के आंकड़े भी निवेश धारणा को प्रभावित करेंगे। आलोच्य सप्ताह में निफ्टी 11.30 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की गिरावट में 13,749.25 अंक पर बंद हुआ। बड़े सूचकांकों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों का सूचकांक वापसी नहीं कर सका। बीएसई का मिडकैप 124.48 अंक यानी 0.70 प्रतिशत लुढ़ककर 17,676.70 अंक पर और स्मॉलकैप 93.57 अंक यानी 0.53 फीसदी टूटकर सप्ताहांत पर 17,675.53 अंक पर रहा।

एयर इंडिया के निजीकरण के मामले में कर्मचारियों में और अधिक लाभ की चाह

नई दिल्ली। एयर इंडिया एम्पलाइज यूनियन ने नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी के साथ बैठक किए जाने की मांग की है, जिसमें एयर इंडिया के निजीकरण के मद्देनजर उनके द्वारा चिकित्सा योजना का विस्तार, छुट्टी के बदले नकद भुगतान और भविष्य निधि जैसे लाभ प्रदान किए जाने पर बात की जाएगी।पुरी को लिखे एक पत्र में यूनियन ने कहा है कि एयर इंडिया में मौजूदा चिकित्सा योजना को जारी रखा जाना चाहिए क्योंकि यह वर्तमान में काम कर रहे और सेवारत कर्मचारियों के लिए है। भविष्य निधि पर यूनियन ने कहा है कि पूर्ववर्ती एयर इंडिया और तत्कालीन इंडियन एयरलाइंस में दो अलग-अलग भविष्य निधि ट्रस्ट हैं, जो सन 1925 के पीएफ ट्रस्ट अधिनियम द्वारा शासित हैं।यूनियन ने कहा, हम चाहेंगे कि एयर इंडिया के निजीकरण के बाद भी इन्हें जारी रखा जाए। अब जहां तक बात रही छुट्टी के बदले पैसे दिए जाने की, तो इस पर यूनियन ने अपनी बात रखते हुए कहा है कि रिटायरमेंट के वक्त छुट्टियों के बदले पैसे मिल जाते हैं और ऐसा होता आ रहा है। पत्र में लिखा गया, रिटायर होने के बाद एक अच्छी जिंदगी बिताने के लिए कुछ कर्मचारी इन्हीं चीजों पर आश्रित रहते हैं। एयर इंडिया के निजीकरण के संदर्भ में ये जो लाभ हैं, उन पर शायद रोक लगा दी जाएगी और कर्मचारियों को भी काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा इसलिए यूनियन की मांग यही है कि 31 मार्च, 2021 तक कर्मचारियों को छुट्टी भत्ता दिया जाना चाहिए।

शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में 60,198 करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली:

देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 60,198.67 करोड़ का वृद्धि हुई। इसमें सर्वाधिक लाभ इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल), हिन्दुस्तान यूनिलीवर लि. (एचयूएल), इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक और भारती एयरटेल भी लाभ में रहीं। दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 19,849.41 करोड़ रुपए उछलकर 5,26,627.07 करोड़ रुपए पहुंच गया। टीसीएस का एमकैप 17,204.68 करोड़ रुपए बढ़कर 10,91,362.33 करोड़ रुपए जबकि एचयूएल की बाजार हैसियत 16,035.72 करोड़ रुपए बढ़कर 5,63,881.75 करोड़ रुपए पहुंच गई।

भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 3,518.83 करोड़ रुपए बढ़कर 2,82,079.59 करोड़ रुपए जबकि कोटक महिंद्रा बैंक 2,544.02 करोड़ रुपए की तेजी के साथ 3,88,414.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडसट्रीज लि. का एमकैप 1,046.01 करोड़ रुपए बढ़कर 12,64,021.09 करोड़ रुपए पहुंच गया। दूसरी तरफ, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,755 करोड़ रुपए घटकर 7,69,364.60 करोड़ रुपए जबकि एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 4,445.63 करोड़ रुपए कम होकर 4,41,728.42 करोड़ रुपए पर आ गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 4,121.69 करोड़ रुपए कम होकर 3,12,360.19 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 2,263.57 करोड़ रुपए घटकर 3,54,590.10 करोड़ रुपए पर आ गया। सर्वाधिक मूल्यांकन वाली कंपनियों में आरआईएल शीर्ष पर रही।

आयकर विभाग ने असम में मारे छापे, पकड़ा 100 करोड़ रुपए का कालाधन

बिजनेस डेस्क:

आयकर विभाग ने असम में तीन प्रमुख ठेकेदारों के यहां हफ्ते की शुरुआत में छापे मारकर करीब 100 करोड़ रुपए का कालाधन पकड़ा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। बयान के मुताबिक आयकर विभाग ने असम के गुवाहाटी, सिलापाथर और पाठशाला एवं दिल्ली में 14 जगहों पर 22 दिसंबर को छापा मारने की अपनी कार्रवाई शुरू की। इस दौरान 2.95 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई। छापा कार्रवाई के दौरान लगभग 100 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला। बयान में कहा गया है कि नकदी के अलावा 9.79 लाख रुपए के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। जबकि दो करोड़ रुपए के अन्य गहनों की पुष्टि की जा रही है। ये छापे पूर्वोत्तर भारत के शीर्ष ठेकेदारों के यहां मारे गए। इनमें से एक इकाई आतिथ्य क्षेत्र में भी कारोबार करते हैं। सीबीडीटी, आयकर विभाग के लिए नीतियां बनाने वाली शीर्ष इकाई है। आरोप है कि इन इकाइयों ने कोलकाता की कुछ खोखा कंपनियों से प्रतिभूतियों पर प्रीमियम हासिल किया तथा अपने बही खातों में कर्जों की फर्जी प्रविष्टियां दिखाई।

सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस और वाहनों के रजिस्ट्रेशन की वैलिडिटी 31 मार्च तक बढ़ाई

बिजनेस डेस्क: कोरोना वायरस के इस दौर में रविवार को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़ी एक अहम घोषणा की है। ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों का रजिस्ट्रेशन और फिटनेस प्रमाण पत्र जैसे अहम डॉक्यूमेंट्स जिनकी वैलिडिटी 1 फरवरी 2020 से खत्म हो गई वो अब 31 मार्च 2021 तक वैलिड माने जाएंगे। कोरोना वायरस के चलते सरकार ने इनकी वैलिडिटी बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

सरकार ने 31 दिसंबर तक बढ़ाई थी डॉक्यूमेंट की वैधता

यूनियन रोड ट्रांसपोर्ट और हाइवे मिनिस्ट्री ने कहा कि आपके ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ गाड़ी के रजिस्ट्रेशन के कागज, गाड़ी का परमिट और फिटनेस सर्टिफिकेट की वैलिडिटी जो 31 दिसंबर को खत्म हो रही थी तो अब वह 31 मार्च तक वैलिड माने जाएंगे। यह फैसला उन सभी डॉक्यूमेंट्स की वैलिडिटी बढ़ाने वाला कदम है, जिनकी वैलिडिटी फरवरी 2020 से लेकर 31 मार्च 2021 तक के बीच में एक्सपायर हो रहे है या हो चुके हैं।

कमर्शियल वाहन मालिकों ने की थी राहत की अपील

सूत्रों ने बताया कि कमर्शियल वाहन मालिकों ने सरकार से कुछ और रियायत की अपील की थी। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया था कि ऐसे वाहनों को थोड़ी और राहत दी जाए जो अभी व्यावहारिक समस्याओं की वजह से सड़क पर अभी नहीं उतर रहे हैं। इनमें स्कूल बस ऑपरेटर भी शामिल हैं। यह चौथी बार है जब सरकार ने इनकी वैलिडिटी बढ़ा दी है। इसके पहले अगस्त में सरकार ने कहा था कि ये डॉक्यूमेंट्स 31 दिसंबर तक मान्य होंगे।

अभी नहीं थमी सोने की तेजी, नए साल में 63000 रुपए तक पहुंच सकते हैं दाम

मुंबई:

सोना हमेशा ही अनिश्चित समय में सुरक्षित निवेश माना गया है। यही वजह है कि कोरोना वायरस महामारी के अनिश्चित दौर में सोना नई ऊंचाईयों पर पहुंचा। बहरहाल, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और नए प्रोत्साहन उपायों की उम्मीद के बीच 2021 में भी सोना 63,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने का अनुमान विशेषज्ञों ने व्यक्त किया है। वर्ष 2020 में कोरोना वायरस महामारी के चलते आर्थिक और सामाजिक अनिश्चितताओं के कारण सोना निवेश का एक सुरक्षित विकल्प बनकर उभरा। इस पीली धातु की कीमत अगस्त में एमसीएक्स पर 56,191 रुपए प्रति 10 ग्राम और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,075 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई थी। वैश्विक मौद्रिक नीतियों में तेज बदलाव के तहत 2019 के मध्य में कम ब्याज दर और अभूतपूर्व तरलता का दौर शुरू हुआ, जिसने सोने की कीमत को बढ़ावा दिया और निवेशकों का रुझान इसकी ओर बढ़ता गया। कमट्रेंडज़ रिस्क मैनेजमेंट सर्विसेज के सीईओ ज्ञानशंकर त्यागराजन ने बताया, ''इस साल की शुरुआत में (सोने की कीमत) 39,100 रुपए प्रति 10 ग्राम और 1,517 अमरीकी डॉलर प्रति औंस के साथ हुई। महामारी को लेकर शुरुआती झटका अल्पकालिक रहा और सोना 38,400 रुपए पर आ गया लेकिन इस बाद यह धीरे धीरे बढ़ता हुआ 56,191 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया।'' उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की वैक्सीन और आर्थिक सुधार की चर्चा के बाजवूद उम्मीद है कि ताजा प्रोत्साहनों के चलते सोना आगे भी तेज बना रहेगा।

निवेशकों के लिए सोना आकर्षक बना रहेगा

उन्होंने कहा, ''ताजा प्रोत्साहनों की वजह से डॉलर कमजोर हो सकता है और इससे सोने की कीमतें एक बार फिर बढ़ सकती हैं। इसके अलावा बड़े पैमाने पर प्रोत्साहनों के कारण मुद्रास्फीति के दबावों के चलते निवेशकों के लिए सोना आकर्षक बना रहेगा।'' त्यागराजन ने कहा कि भारत और चीन से सोने की मांग 2021 में महत्वपूर्ण होगी, जो पिछले कुछ वर्षों से कमजोर है और इसमें एक बार फिर तेजी आ सकती है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि 2021 में कीमतें कम से कम 60,000 रुपए या 2,200 अमरीकी डॉलर के स्तर को छू लेंगी, बशर्ते रुपया भी स्थिर रहे।''

एक साल में हाजिर रुपया करीब 3% नीचे रहा

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक सुधार से जुड़ी चिंताओं के कारण सोना अगले साल भी तेज बना रहेगा और इसकी कीमत कॉमैक्स पर 2,150-2,390 डॉलर प्रति औंस के बीच रह सकती है, जबकि एमसीएक्स पर सोना 57,000-63,000 रुपए के बीच रह सकता है। उन्होंने कहा, ''आर्थिक गतिविधियों में पुनरूत्थान की धीमी रफ्तार, श्रम बाजार की वृद्धि भी कमजोर रहने के साथ ही बड़ी मात्रों में प्रोत्साहन उपायों से सोने के दाम लगातार मजबूती में बने रहेंगे।'' पटेल ने कहा कि 2020 में सोने के दाम को डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से अतिरिक्त समर्थन मिला। पिछले एक साल के दौरान हाजिर रुपया करीब तीन प्रतिशत नीचे रहा है। इसके अलावा वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका के शेयर बाजार में गिरावट और वास्तविक प्राप्ति में गिरने से निवेशक डॉलर से बाहर निकल गए जिसका लाभ सोने में निवेश को मिला।

बिटकॉइन ने तोड़े रिकॉर्ड! 20 लाख के करीब पहुंची 1 बिटकॉइन की कीमत, एक साल में 271फीसदी का उछाल

बिजनेस डेस्क:

दुनिया की सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने एक बार फिर रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। शनिवार को डिजिटल करेंसी ने 26,900 डॉलर का नया ऑलटाइम हाई बनाया है। क्रिप्टोकरेंसी में तेजी से एक बिटकॉइन की कीमत 19.90 लाख रुपए हो गई है। इस समय दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। तुरंत मुनाफे के लिए बड़े निवेशक इसका रुख कर रहे हैं जिसके चलते इसकी कीमत में तेजी से उछाल आ रहा है। बता दें नवंबर महीने में बिटकॉइन का भाव 18 हजार डॉलर के स्तर को पार चुका था।

एक साल में 271फीसदी का उछाल रहा

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज **Binance** पर कारोबार के दौरान बिटकॉइन 26,900 के हाई पर पहुंच गया। बीते 24 घंटे में इसमें करीब 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है। बता दें सिर्फ एक साल में इस करेंसी में 271 फीसदी का उछाल देखने को मिला है।

11 दिन में 34 फीसदी से ज्यादा उछाल

2010 में बिटकॉइन की कीमत 1 डॉलर प्रति यूनिट थी लेकिन तब से अब तक इसकी कीमतों में भारी उछाल आया है। बीते 16 दिसंबर को इसकी कीमत पहली बार 20 हजार डॉलर प्रति यूनिट के पार पहुंची थी, जो अब बढ़कर 26,900 डॉलर तक पहुंच गई है। इस प्रकार 11 दिन में इसकी कीमतों में 34फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है।

बढ़ सकता है उछाल

अनुमान के मुताबिक, ये माना जा रहा है कि इंडिया में इस समय लगभग 50 से 60 लाख बिटकॉइन यूजर्स हैं और आने वाले समय में इसकी कीतमों में और उछाल देखने को मिल सकता है। मार्केट एक्सपर्ट का मानना है कि 2030 तक बिटकॉइन की कीमत 1 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। **CoinDCX** के सीईओ सुमित गुप्ता ने बताया कि मांग में तेजी रहने से 2021 में बिटकॉइन की कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है। मांग में तेजी रहने से 2021 में बिटकॉइन की कीमतें और बढ़ेंगी।

1 करोड़ रुपए प्रति यूनिट तक जा सकती है कीमत

भारतीय रुपयों में 1 बिटकॉइन की कीमत 21 लाख रुपए तक पहुंच चुकी है। क्रिप्टोकरेंसी के जानकारों को भरोसा है कि भारतीय रुपयों में 1 बिटकॉइन की कीमत शॉर्ट टर्म में 1 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। वैश्विक इंस्टीट्यूशनल डिमांड के कारण 2021 में इसकी कीमत 50 लाख से 1 करोड़ रुपए के बीच पहुंच जाएगी। दुनियाभर की सरकारों द्वारा दिए जा रहे राहत पैकेज के कारण अब बड़े निवेशक इस क्रिप्टोकरेंसी को महंगाई को मात देने वाले असेट क्लास के रूप में देखने लगे हैं। यह भी इस डिजिटल करेंसी में उछाल का एक कारण है।

क्या होती है क्रिप्टोकरेंसी?

बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल करेंसी होती है, जो ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है। इस करेंसी में कूटलेखन तकनीक का प्रयोग होता है। इस तकनीक के जरिए करेंसी के ट्रांजेक्शन का पूरा लेखा-जोखा होता है, जिससे इसे हैक करना बहुत मुश्किल है। यही कारण है कि क्रिप्टोकरेंसी में धोखाधड़ी की संभावना बहुत कम होती है। क्रिप्टोकरेंसी का परिचालन केंद्रीय बैंक से स्वतंत्र होता है, जो कि इसकी सबसे बड़ी खामी है।

जानिए कैसे होती है बिटकॉइन में ट्रेडिंग?

बिटकॉइन ट्रेडिंग डिजिटल वॉलेट के जरिए होती है। बिटकॉइन की कीमत दुनियाभर में एक समय पर समान रहती है। इसलिए इसकी ट्रेडिंग मशहूर हो गई। दुनियाभर की गतिविधियों के हिसाब से बिटकॉइन की कीमत घटती बढ़ती रहती है। इसे कोई देश निर्धारित नहीं करता बल्कि डिजिटली कंट्रोल होने वाली करेंसी है। बिटकॉइन ट्रेडिंग का कोई निर्धारित समय नहीं होता है। इसकी कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बहुत तेजी से होता है।

लार्सन एंड टूब्रो की 2021 में 1,100 इंजीनियर नियुक्त करने की योजना

नई दिल्ली:

इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) 2021 में करीब 1,100 इंजीनियर प्रशिक्षुओं की नियुक्ति करेगी। स्नातक और स्नात्कोत्तर इंजीनियर प्रशिक्षुओं की यह नियुक्ति समूह की विभिन्न इकाइयों के लिए की जाएगी। कंपनी ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया के तहत करीब 250 उम्मीदवारों को नौकरी की पेशकश पहले ही कर चकी है। ये नियुक्तियां हाल में आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) मद्रास, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रूड़की, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, आईआईटी हैदराबाद और अन्य आईआईटी संस्थानों से की गई है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक एस एन सुब्रमणियम ने कहा, ''एल एंड टी ने न केवल स्नातक और स्नात्कोत्तर इंजीनियर प्रशिक्षुओं को नौकरी की पेशकश करती है बल्कि लगातार सीखने का एक अवसर भी प्रदान करती है। साथ ही उन्हें देश और विदेश की प्रमुख परियोजनाओं पर काम करने को लेकर भी संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि अगले साल 2021 में कंपनी 1,100 इंजीनियरों की नियुक्ति करेगी और इसमें से आईआईटी के 250 छात्रों को नौकरी की पेशकश कर चुकी है। कंपनी के अनुसार हर साल वह करीब 1,100 इंजीनियरों को नियुक्त करती है। इसमें से 90 प्रतिशत आईआईटी, एनआईटी और शीर्ष सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के होते हैं। सुब्रमणियम ने कहा कि महामारी वाले वर्ष के दौरान भी कंपनी ने नियुक्ति प्रक्रिया जारी रखी है। कंपनी ने आंतरिक रूप से तैयार ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया पेश की है। इसके तहत शत प्रतिशत नियुक्तियां डिजिटल माध्यम से होती हैं।

ढांचागत क्षेत्र की 442 परियोजनाओं की लागत में 4.34 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली:

ढांचागत क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए मूल्य या उससे अधिक की 442 परियोजनाओं की लागत में 4.34 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में यह कहा गया है। मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या उससे अधिक ढांचागत परियोजनाओं पर नजर रखता है। कुल 1,671 परियोजनाओं में से 442 की लागत में वद्धि हुई है। मंत्रालय की नवंबर 2020 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ''1,671 परियोजनाओं की कुल मूल लागत 21,21,383.82 करोड़ रुपए थी। अब इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की लागत बढ़कर 25,55,957.52 करोड़ रुपए पहुंच गई है। यह लागत में 4,34,573.70 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी (मूल लागत का 20.49 प्रतिशत) को बताता है।'' इन परियोजनाओं पर कुल खर्च नवंबर 2020 तक 11,93,997.81 करोड़ रुपए था जो परियोजना की अनुमानित लागत का 46.71 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि क्रियान्वयन में देरी वाली परियोजनाओं की संख्या घटकर 412 पर आ गई है। इसमें विलम्ब का आकलन संबंधित परियोजनाओं को पूरा करने की नई समयसीमा के आधार पर की गई है। इसमें यह भी कहा गया है कि 942 परियोजनाओं के बारे में न तो उसे पूरा होने के वर्ष के बारे में जानकारी दी गई है न ही कोई अस्थायी समयसीमा बताई गई है। कुल विलम्बित 536 परियोजनाओं में से 120 में एक से 12 महीने की देरी हुई है जबकि 134 परियोजनाओं में 13 से 24 महीने, 162 परियोजनाओं में 25 से 60 महीने तथा 120 परियोजनाओं में 61 महीने और उससे अधिक की देरी हुई है। इन 536 परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी औसतन 44.15 महीने है। इन परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही एजेंसियों ने देरी का कारण जमीन अधिग्रहण में समस्या, वन एवं पर्यावरण मंजूरी हासिल करने में विलम्ब तथा संबंधित ढांचागत सविधाओं का अभाव होना बताया है।

वर्ष 2021: नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए अपनाने होंगे नवोन्मेषी उपाय

नई दिल्ली: देश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन इस क्षेत्र में 2022 तक 1,75,000 मेगावाट उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए नए साल में 35,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सृजित करने की जरूरत होगी। इसके लिए सरकार को 1.75 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश प्राप्त करने के लिए बोली स्तर पर और अधिक नवोन्मेषी रुख अपनाने पर गौर करना होगा। फिलहाल भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कुल स्थापित क्षमता 90,000 मेगावाट है। इसमें 39,000 मेगावाट पवन और 37,000 मेगावाट सौर उत्पादन क्षमता शामिल हैं। इसके अलावा करीब 50,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर काम चल रहा है तथा 30,000 मेगावाट क्षमता नई बोली को लेकर पाइपलाइन में हैं। सोलर पावर डेवलपर्स एसोसिएशन के महानिदेशक शेखर दत्त ने कहा, ''कुल 1,75,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता हासिल करने के लिए 35,000 मेगावाट (बोली के अंतर्गत या बोली मंगाई जाने की प्रक्रिया में) की जरूरत है और इसके लिए 1.75 लाख करोड़ रुपए के कोष की जरूरत होगी।'' उन्होंने यह भी कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का क्रियान्वयन और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निविदा प्रक्रिया में अनूठेपन की 2021 में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।दत्त ने कहा कि बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन की जगह नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग सुनिश्चत करने के लिए भारत को पवन, सौर और ऊर्जा भंडारण को शामिल कर नवोन्मेषी निविदा प्रक्रिया तैयार करने की जरूरत है। यह साल नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए चुनौती भरा रहा लेकिन उद्योग सरकार की मदद से महामारी के कारण उत्पन्न संकट से पार पाने में सफल रहा। इतना ही नहीं क्षेत्र में निवेशकों का भरोसा और बढ़ा है। यह बात सौर बिजली दर से पता चलती है जो मनोवैज्ञानिक स्तर 2 रुपए प्रति यूनिट से भी नीचे चली गई है। उल्लेखनीय है कि गुजरात ऊर्जा विकास निगम लि. (जीयूवीएनएल) की दिसंबर में 500 मेगावाट क्षमता की नीलामी में 1.99 रुपए प्रति यूनिट की अब तक की सबसे कम दर की बोली लगायी गयी। इससे पहले, सौर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) की नवंबर में 1,070 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं की नीलामी में न्यूनतम 2 रुपए प्रति यूनिट की बोली लगाई गई थी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने दिसंबर में अबतक 60,094 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली:

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर में घरेलू बाजार में शुद्ध रूप से अबतक 60,094 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डिपोजिटरी आंकड़े के अनुसार एफपीआई ने एक दिसंबर से 24 दिसंबर के दौरान शेयरों में शुद्ध रूप से 56,643 करोड़ रुपए और बांड में 3,451 करोड़ रुपए के निवेश किए। नवंबर में एफपीआई का कुल शुद्ध निवेश 62,951 करोड़ रुपए था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार अमेरिका में चुनाव के बाद एफपीआई प्रवाह में तेजी आई है। उन्होंने कहा, ''चुनाव को देखते हुए नए निवेश को रोक लिया गया था। अब चुनाव के सकारात्मक परिणाम के बाद व्यापार नीति में ढिलाई की उम्मीद से वैश्विक शेयर बाजार में तेजी है।'' भारत आर्थिक मोर्चे पर कई सुधारों के साथ अन्य उभरते बाजारों की तुलना में निवेश का बड़ा हिस्सा आकर्षित करने में सफल रहा है। नायर ने कहा, ''कर सुधार, कोविड-19 संक्रमण पर लगाम लगाने, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) को गारंटी जैसे उपायों तथा दवा क्षेत्र की मजबूत क्षमता ने भारत को अन्य उभरते बाजारों की तुलना में आगे रखा है।'' उन्होंने कहा कि एफपीआई ने निवेश के मामले में आईटी, स्थिर परिदृश्य वाली कंपनियों तथा औषधि, रसायन एवं दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाले (एफएमसीजी) जैसे क्षेत्रों को तरजीह दी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

इस दशक की आईसीसी महिला वनडे टीम में मिताली, झूलन को जगह

नई दिल्ली। भारत की दो अनुभवी खिलाड़ियों-मिताली राज और झूलन गोस्वामी को आईसीसी ने अपनी इस दशक की महिला वनडे टीम में चुना है। इस वनडे टीम की कप्तान आस्ट्रेलिया के मेग लेनिंग हैं। लेनिंग के अलावा आस्ट्रेलिया से एलिसा हिली और एलिसा पैरी को भी इस टीम में चुना गया है। वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और अनीसा मोहम्मद को भी टीम में जगह मिली है। इंग्लैंड से साराह टेलर इकलौती खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड से सूजी बेट्स भी अकेली हैं। दक्षिण अफ्रीका से डान वान निएकेर्क और मारिजाने कैप हैं। आईसीसी की इस दशक की महिला वनडे टीम = मेग लेनिंग (आस्ट्रेलिया), सुजे बेट्स, मिताली राज, स्टेफनी टेलर, साराह टेलर (विकेटकीपर), एलिसा पैरी, डान वान निएकेर्क मारिजाने कैप, झूलन गोस्वामी, अनिसा मोहम्मद।

मेलबर्न टेस्ट

रहाणे की कप्तानी पारी से भारत मजबूत स्थिति में

मेलबर्न। विराट कोहली के जाने के बाद टीम की कप्तानी को संभालने और बल्लेबाजी में अग्रणी भूमिका निभाने का भार कार्यवाहक अजिंक्य रहाणे के कंधों पर था। आस्ट्रेलिया के साथ यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के शुरुआती दो दिन रहाणे ने अभी तक इस काम को बखूबी निभाया है। उनकी नाबाद 104 रनों की पारी ने दूसरे दिन रविवार का खेल खत्म होने तक भारत को आस्ट्रेलिया पर 82 रनों की बढ़त दिला दी है। रहाणे की यह कप्तानी पारी उस समय आई जब भारत, आस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर 195 रनों के जवाब में तीन विकेट 64 रनों पर ही खो चुकी थी। रहाणे ने यहां से विकेट पर पैर जमाने शुरू किए और छोटी-छोटी साझेदारियां कर भारत को आस्ट्रेलिया के स्कोर से पार भी ले गए और अच्छी बढ़त भी दिला दी। भारत ने दिन की शुरुआत एक विकेट के नुकसान पर 36 रनों के साथ की थी। पदार्पण कर रह शुभमन गिल ने अपने पहले दिन के स्कोर 28 रनों से आगे खेलना शुरू किया और अर्धशतक की तरफ बढ़ने लगे। 45 के निजी स्कोर पर पैट कमिंस की गेंद गिल के बल्ले को छूती हुई विकेटकीपर और कप्तान टिम पेन के दस्तानों में जा समाई। गिल का डेब्यू मैच में अर्धशतक जमाने का सपना 65 गेंद खेलने के बाद टूट गया। अपनी पारी में इस युवा बल्लेबाज ने आठ चौके मारे। कमिंस का अगला शिकार बने चेतेश्वर पुजारा जिन्होंने 70 गेंदें खेली और एक चौके की मदद से 17 रन बनाए। पुजारा के जाने के बाद भारत का स्कोर 64 पर तीन विकेट था। रहाणे और हनुमा विहारी ने फिर भारत की पारी को संवारने का जिम्मा उठाया। दोनों बल्लेबाज अच्छी तरह खेल रहे थे। लॉयन अपनी ऑफ स्पिन से परेशान तो कर रहे थे लेकिन रहाणे और विहारी हल्के हाथों से आगे पैर निकाल कर उनकी गेंदों को बढ़िया तरीके से खेल रहे थे। इसी बीच विहारी ने लॉयन पर आक्रमण करने की कोशिश में स्वीप शॉट खेला। गेंद ने अतिरिक्त उछाल ली और विहारी के ग्ल्वज से टकरा कर स्टीव स्मिथ के हाथों में चली गई। विहारी ने 66 गेंदों पर दो चौकों की सहायता से 21 रन बनाए। दोनों ने 57 रनों की साझेदारी की। ऋषभ पंत ने थोड़ी तेज बल्लेबाजी की और रहाणे के साथ 52 रनों की साझेदारी की। मिशेल स्टार्क की गेंद पर पेन ने पंत का कैच ले कर उनकी 40 गेंदों पर 29 रनों की पारी का अंत कर दिया। पंत के बाद आए जडेजा ने रहाणे के साथ अभी तक इस मैच की सबसे अहम और सबसे बड़ी साझेदारी की। इस बीच रहाणे ने अपना शतक पूरा किया। वह इस सीरीज में अभी तक शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। रहाणे और जडेजा ने तीसरे सत्र में आसानी से बल्लेबाजी की और आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को ज्यादा मौके नहीं दिए। स्टार्क ने 92वें ओवर की तीसरी गेंद बाउंसर डाली। सामने खड़े रहाणे इसे खेलने की पोजिशन में नहीं थे, गेंद उनके हाथ से लग कर चेहरे से टकराती हुई प्वाइंट पर गई जहां खड़े ट्रेविस हेड ने कैच छोड़ दिया। रहाणे को देखने फीजियो आया।

अरुण जेटली स्टेडियम के लिए जेटली की प्रतिमा 15 लाख रुपये की

नई दिल्ली।

यहां के फिरोज शाह कोटला मैदान में अरुण जेटली स्टेडियम के अंदर अरुण जेटली की छह फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा 28 दिसंबर को उनकी 68वीं जयंती पर स्थापित की जाएगी। प्रतिमा के निर्माण पर करीब 15 लाख रुपये की लागत से आई है और इसका वजन करीब 800 किलो है। सूत्रों ने कहा कि प्रतिमा की छतरी पर डेढ़ लाख रुपये खर्च हुए हैं। जेटली 1999 से 2013 तक 14 साल तक दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के अध्यक्ष रहे और अब उनके बेटे रोहन जेटली इस पद को संभाल रहे हैं। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को दोपहर करीब एक बजे प्रतिमा का अनावरण कर सकते हैं, जिसमें अरुण जेटली के परिवार के साथ केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अनुराग ठाकुर, भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह और भारत और दिल्ली के पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे। इस समय, कोविड-19 महामारी के कारण समारोह में 50 व्यक्ति ही व्यक्ति ही मौजूद रहेंगे। जो अन्य लोग मौजूद होंगे, उनमें खेल मंत्री किरण रिजिजू, 18 डीडीसीए निदेशक-और संभवतः उन सबकी पत्नी के अलावा कुछ और लोग शामिल हो सकते हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, जेटली की प्रतिमा शनिवार दोपहर अरुण जेटली स्टेडियम पहुंची और तुरंत उसके चारों ओर सुरक्षा कवच बना दिया गया। भारत और दिल्ली के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी हालांकि स्टेडियम में जेटली की प्रतिमा लगाने का पुरजोर विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि किसी महान खिलाड़ी की प्रतिमा लगाई जानी चाहिए। अरुण जेटली की प्रतिमा स्थापित करने का फैसला अक्टूबर में डीडीसीए शीर्ष परिषद की बैठक में रोहन जेटली, नए कोषाध्यक्ष और चार अन्य निदेशकों के चुने जाने के तुरंत बाद लिया गया था। यह प्रतिमा स्टेडियम के वीरेंद्र सहवाग गेट (गेट नंबर-1) के पास पार्किं ग एरिया में लगाई जाएगी। यह ऐतिहासिक स्थल 1883 में बनाया गया था और पिछले साल 12 सितंबर तक इसे फिरोज शाह कोटला स्टेडियम कहा जाता था, जब इसका नाम बदलकर अरुण जेटली स्टेडियम रखा गया।

आईसीसी की इस दशक की टेस्ट टीम के कप्तान बने कोहली

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली को आईसीसी ने इस दशक की अपनी टेस्ट टीम का कप्तान चुना है। कोहली के अलावा इस टीम में भारत से सिर्फ रविचंद्रन अश्विन ही है। टेस्ट क्रिकेट के दो महान बल्लेबाज एलिस्टर कुक और कुमार संगाकारा को इस टीम में जगह मिली है। कुक को आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर के साथ बतौर सलामी बल्लेबाज चुना है जबकि पूर्व श्रीलंकाई कप्तान संगाकारा को बतौर विकेटकीपर। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के मौजूदा कप्तान केन विलियम्सन को चुना है। चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर कोहली, स्टीव स्मिथ, संगकारा हैं। बेन स्टोक्स बतौर हरफनमौला खिलाड़ी टीम में आए हैं। अश्विन के रूप में टीम में सिर्फ एक स्पिनर हैं। तेज गेंदबाजी का जिम्मा दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ड ब्रॉड पर है। आईसीसी की इस दशक की टेस्ट टीम = विराट कोहली (कप्तान), एलिस्टर कुक, डेविड वार्नर, केन विलियम्सन, स्टीव स्मिथ, कुमार संगाकारा (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, रविचंद्रन अश्विन, डेल स्टेन, स्टुअर्ड ब्रॉड, जेम्स एंडरसन।

आईएसएल-7 : बेंगलुरु, जमशेदपुर में होगी कांटे की टक्कर

फातोर्दा (गोवा)।

पूर्व चैम्पियन बेंगलुरु एफसी और जमशेदपुर एफसी सोमवार को जब यहां फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी तो एक बात तो तय है कि अंतिम व्हिसल बजने तक दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। बेंगलुरु की टीम ने इस सीजन में अब तक दूसरे हाफ में सबसे ज्यादा गोल किए है जबकि छठे स्थान पर काबिज जमशेदुपर एफसी ने दूसरे हाफ में 66.67 प्रतिशत गोल खाएं हैं। वहीं, केरला ब्लास्टर्स ने आठ और एससी ईस्ट बंगाल ने 11 या उससे ज्यादा गोल खाएं हैं। कोच ओवेन कॉयले की जमशेदपुर ने इस सीजन में अब तक नौ गोल खाएं है और इतने ही गोल दागे भी है। इन नौ गोलों में से उसने चार गोल मैच समाप्ति से 15 मिनट पहले ही खाएं है और बेंगलुरु निश्चित रूप से इसका फायदा उठाना चाहेगी। दूसरी तरफ, तीसरे स्थान पर काबिज बेंगलुरु के प्रदर्शन में इस सीजन में निरंतरता देखने को नहीं मिली है। एटीके मोहन बागान से मिली 0-1 की हार के बाद यह साबित हो गया है कि उसे हराया जा सकता है। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में एफसी गोवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बेंगलुरु के कोच कार्लेस कुआड्रॉट को लगता है कि जमशेदपुर की टीम वापसी करेगी। उन्होंने कहा, जमशेदपुर अच्छा काम कर रही है और वह तालिका में अधिक अंक की हकदार है। हमें जमशेदपुर को रोकना होगा। उनके विदेशी खिलाड़ी के साथ साथ युवा भारतीय खिलाड़ी भी अच्छा कर रहे हैं। जमशेदपुर जैसी प्रतिद्वंद्वी का सामना करना मुश्किल होगा। लेकिन हमारे पास प्लान है और हम तीन अंक लेने की कोशिश करेंगे। बेंगलुरु के लिए गोल करना समस्या नहीं है, लेकिन उनका डिफेंस अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं है। टीम ने इस सीजन के पहले सात मैचों में आठ गोल खाएं है जबकि 2019-20 सीजन में वह केवल नौ गोल ही खाई थी। जमशेदपुर के नेरिजुस व्लास्किस किसी भी टीम के डिफेंस में सेंध लगा सकते है, जो छह गोल दाग चुके हैं।

कुआड्रॉट ने कहा, हमारे पास प्लान है। हमने पिछले सीजन में सबसे कम गोल खाए थे। व्लास्किस पिछले सीजन में हमारे खिलाफ गोल नहीं कर सके थे और अगले मैच में भी हम उन्हें रोकने की कोशिश करेंगे। जमशेदपुर के कोच कॉयले अगले मैच को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा, दोनों टीमों के लिए यह एक मुश्किल मैच है। उनके पास अच्छे खिलाड़ी और शानदार कोच है। वे एक मुश्किल और संगठित टीम है। हम बेस्ट टीमों के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। हम बेस्ट टीमों के खिलाफ जीतने में सक्षम है।

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत, पूनम आईसीसी की इस दशक की महिला टी-20 टीम में

नई दिल्ली। भारत की टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और पूनम यादव आईसीसी की इस दशक की महिला टी-20 टीम में जगह बना पाने में सफल रही हैं। हरमनप्रीत को हालांकि इस टीम का कप्तान नहीं बनाया गया। आस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग टीम की कप्तान हैं। सलामी बल्लेबाजी का जिम्मा आस्ट्रेलिया की एलिसा हिली और न्यूजीलैंड की सोफी डीवाइन पर है। तीसरे नंबर पर सुजी बेट्स और चौथे नंबर पर कप्तान हैं। इसके बाद हरमनप्रीत, वेस्टइंडीज की स्टेफेनी टेलर, डिएंड्रो डोटिन, आस्ट्रेलिया एलिसा पैरी, इंग्लैंड की अन्या श्रब्सूले, आस्ट्रेलिया की मेगन शट और पूनम यादव हैं। आईसीसी की इस दशक की महिला टी-20 टीम = मेग लेनिंग (कप्तान), एलिसा हिली (विकेटकीपर), सोफी डेवाइन, सुजी बेट्स, हरमनप्रीत कौर, स्टेफनी टेलर, डिएंड्रा डोटिन, एलिसा पैरी, अन्या श्रब्सूल, मेगन शट और पूनम यादव।

शांत रहाणे कप्तानी रणनीति को लेकर आक्रामक : गावस्कर

मेलबर्न।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत के कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे बतौर कप्तान अपनी रणनीति को लेकर काफी आक्रामक हैं। गावस्कर ने एबीसी स्पोर्टस से कहा, रहाणे टेस्ट मैच में अच्छा कर रहे है। वह एक कप्तानी पारी खेल रहे है और खुद को फ्रंट से लीड कर रहे हैं। हर कोई उनकी कप्तानी, उनकी फील्ड प्लेसमेंट और गेंदबाजी बदलाव की तारीफ कर रहा है। मैं उनसे सहमत हूं। वह शांत हैं। भारत के नियमित कप्तान विराट कोहली के साथ रहाणे की तुलना करते हुए गावस्कर ने कहा कि दाएं हाथ का बल्लेबाज कप्तान के रूप में अपनी रणनीति को लेकर काफी आक्रामक है। उन्होंने कहा, विराट (कोहली) कुछ ज्यादा ही भावुक और विरोधी के चेहरे के सामने होते है। रहाणे कुछ ज्यादा ही शांत है। उनके शरीर की भाषा में आक्रामकता का अभाव है लेकिन उनकी रणनीति में नहीं। वह कप्तान के रूप में अपनी रणनीति को लेकर काफी आक्रामक है। हमने देखा कि लेग-गली, स्लिप और फॉरवर्ड शॉर्ट लेग (शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान) के साथ फील्ड प्लेसिंग में वह काफी आक्रामक थे। 32 वर्षीय रहाणे के नाबाद 104 रनों की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया के साथ यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार का खेल खत्म होने तक भारत को आस्ट्रेलिया पर 82 रनों की बढ़त दिला दी है। रहाणे की यह कप्तानी पारी उस समय आई जब भारत, आस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर 195 रनों के जवाब में तीन विकेट 64 रनों पर ही खो चुकी थी। रहाणे ने हनुमा विहारी, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की।

टेस्ट में अपने 250 विकेट पूरा करने पर बोले स्टाक, संन्यास के बाद परखूंगा

मेलबर्न।

मिशेल स्टार्क ने रविवार को कहा है कि वह टेस्ट में 250 विकेट लेने के बारे में नहीं सोच रहे थे और उनका ध्यान आस्ट्रेलिया द्वारा उन्हें दिए गए काम पर था। स्टार्क ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर भारत के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपने 250 टेस्ट विकेट पूरे किए। उन्होंने ऋषभ पंत को विकेट के पीछे टिम पेन के हाथों कैच करा यह मुकाम हासिल किया। स्टार्क ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने इसके बारे में नहीं सोचा था। मैं निजी उपलब्धि के बारे में नहीं सोचता। उन्होंने कहा, पहली पारी में हमें कुछ और विकेट लेने हैं। एक बार जब मैं संन्यास ले लूंगा तो इस रिकार्ड के बारे में सोचूंगा। 250 विकेट लेने के लंबे सफर में बने रहना अच्छा है लेकिन यह टेस्ट मैच जीतने के लिए 15 विकेट लेने हैं। इसलिए मेरे लिए यह कल वापस आने और एक बार फिर पांच विकेट लेने की बात है। भारत ने दिन का अंत पांच विकेट के नुकसान पर 277 रनों के साथ किया। भारत ने आस्ट्रेलिया पर 82 रनों की बढ़त ले ली है। कप्तान अजिंक्य रहाणे 104 और रवींद्र जडेजा 40 रन बनाकर नाबाद हैं।

श्रीलंकाई बल्लेबाज धनजंय डी सिल्वा दक्षिण अफ्रीका सीरीज से बाहर

सेंचुरियन।

श्रीलंकाई बल्लेबाज धनंजय डी सिल्वा दक्षिण अफ्रीका के साथ जारी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें पहले टेस्ट मैच के दौरान जांघ में चोट लगी। इसी चोट के चलते 79 रनों पर खेल रहे डी सिल्वा रिटायर्ड हर्ट हो गए। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने रविवार को दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले एक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की। डी सिल्वा पहले दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद एमआरआई के लिए गए थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में तीन विकेट 54 रनों पर ही खो दिए थे। इसके बाद डी सिल्वा ने दिनेश चंडीमल के साथ 131 रन जोड़े। इसके बाद उन्हें चोट लगी और वह मैदान से बाहर चले गए। श्रीलंका ने पहले दिन का अंत छह विकेट के नुकसान पर 340 रनों के साथ किया था। एसएलसी ने कहा कि डी सिल्वा दो सप्ताह के लिए मैदान से दूर रहेंगे। बोर्ड को उम्मीद है कि वह इंग्लैंड के साथ होने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे। इस सीरीज की शुरुआत 14 जनवरी से गॉल में हो रही है।

बेदी ने डीडीसीए को दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीट क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी ने शनिवार को दिल्ली के शीर्ष क्रिकेट निकाय को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अरुण जेटली स्टेडियम में एक स्टैंड से उनका नाम हटाने के उनके अनुरोध को अगर नजरअंदाज किया जाता है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बेदी ने स्टेडियम में अरुण जेटली की प्रतिमा लगाए जाने के विरोध में बुधवार को यह अनुरोध किया था। जेटली 14 साल तक दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रहे और उनके बेटे रोहन जेटली वर्तमान में उस पद पर कायम हैं। बेदी ने शनिवार को डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली को भेजे गए पत्र में 23 दिसंबर को किए गए अनुरोध को याद दिलाते हुए पूर्व स्पिनर ने कहा कि उन्हें दुख है कि उनके पत्र का अभी तक जवाब नहीं दिया गया है।

अमेरिका ओपन में नागल की पहले दौर में जीत ने महामारी में दी राहत

नई दिल्ली।

साल 2020 की शुरुआत आस्ट्रेलिया ओपन से हुई थी वो भी तब जब आस्ट्रेलिया के जंगल में आग का कहर बरपा रहा था और साल का अंत एटीपी फाइनल्स के साथ हुआ। आस्ट्रेलिया ओपन जहां दर्शकों के बीच खेला गया था वहीं एटीपी फाइनल्स खाली स्टेडियम में खेला गया, हालांकि डब्ल्यूटीए फाइनल्स का आयोजन नहीं हो सका।

यह उन टूर्नामेंट्स में शामिल रहा जो कोविड-19 के कारण इस साल नहीं हो सके। महामारी के बीच अमेरिका ओपन के पुरुष एकल में डॉमिनिक थीम के रूप में नया विजेता मिला। महिला एकल वर्ग में आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब सोफिया केनिन ने जीता और फ्रेंच ओपन का खिताब इगा स्वितेक ने जीता। यह सभी पहली बार ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बने। भारत के नजरिए से इस साल का अमेरिका ओपन ऐतिहासिक रहा। सुमील नागल ने पहले दौर में जीत हासिल की। वह सात साल में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के मुख्य दौर के एकल वर्ग में मैच जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। 23 साल के नागल ने पहले दौर के मैच में अमेरिका के ब्रैंडले क्लाहन को चार सेट के मैच में मात दी लेकिन दूसरे दौर के मैच में थीम ने उन्हें हरा दिया था। थीम उस समय विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी थे जबकि नागल 124वें नंबर के। नागल के अलावा प्रजनेश गुणनस्वेरन ने ग्रैंड स्लैम के मुख्य दौर में प्रवेश किया। वह हालांकि आस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में ही हार गए थे। कुछ खिलाड़ियों के नाम वापस लेने के कारण उन्हें पहला दौर खेलने का मौका मिला था जहां जापान के तातुसुमा इटो ने उन्हें सीधे सेटों में मात दी थी। रामकुमार रामनाथन ने इस सीजन का अंत शानदार तरीके से किया। जर्मनी में एक्टेंल चैलेंजर में वह उपविजेता रहे। वह अपने पहला खिताब जीतने का मौका गंवा बैठे। बच्चे के जन्म के बाद भारतीय महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने होबार्ट ओपन-2020 से कोर्ट में वापसी की। उन्होंने नादिया किचेनोक के साथ महिला युगल में हिस्सा लिया। इस जोड़ी ने अंत में खिताब जीता, लेकिन आस्ट्रेलियन ओपन के पहले ही दौर में उन्हें बाहर जाना पड़ा क्योंकि सानिया को मैच के दौरान ही पिंडली में चोट लग गई थी। इसके बाद सानिया ने भारतीय टीम को फेड कप में शानदार सफलता दिलाते हुए प्लेऑफ में जगह दिलाई।

एयरथिंग्स मास्टर्स विश्व चैम्पियन कार्लसन से भारत के हरिकृष्णा ने खेला ड्रॉ

नॉर्वे (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के दूसरे पड़ाव 1,55,000 डॉलर पुरुष्कार राशि वाले एयरथिंग्स मास्टर्स ऑनलाइन रैपिड शतरंज मे पहले दिन भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें कोई भी मैच ना गवाते हुए अच्छी शुरुआत की । एयरथिंग्स मास्टर्स टूर्नामेंट मे इस बार भारत से सिर्फ पेंटाला हरिकृष्णा ही भाग ले रहे है । 12 खिलाड़ियों के इस राउंड रॉबिन टूर्नामेंट मे उन्होने पहले दिन चार मैच खेले और चारों ड्रॉ रहे । दिन का पहला मुकाबला उनका हुआ विश्व नंबर 5 फ्रांस के मकसीम लागरेव के साथ जहां पर उन्होने अपनी नयी चालों से खेल को बेहद रोचक भी बना दिया था । सफ़ेद मोहरो से उन्होने सिसिलियन के मॉस्को वेरिएशन मे शानदार खेल दिखाया और नई चालों को लेकर आए पर लागरेव बचाव करने मे कामयाब रहे और मैच 27 चालों मे ड्रॉ रहा । दूसरे मैच मे उनके सामने थे रूस के डेनियल डुबोव एक बार फिर सफ़ेद मोहरो से खेल रहे हरि नें सिसिलियन के पेलिकन वेरिएशन मे कुछ अलग रास्ता अपनाया और मैच 39 चालों मे अनिर्णीत रहा । तीसरे राउंड मे हरिकृष्णा के सामने थे स्पेन के डेविड अंटोन और इस बार काले मोहरो से खेल रहे हरिकृष्णा नें स्लाव ओपेनिंग मे एक समय मुश्किल लग रहे मैच को 45 चालों मे ड्रॉ करा लिया । खैर चौथे राउंड मे पेंटाला के सामने थे विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और इस बार तीसरे सफ़ेद मोहरो के साथ उन्हे सिसिलियन का सामना करना पड़ा और इस बार मैच सिसिलियन पेलिकान मे खेला गया जहां पर मात्र 24 चालों मे ही दोनों खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हो गए ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महुवा पुलिस थाने के कांस्टेबल ने फांसी लगाकर जान दे दी

क्रांति समय दैनिक

सूरत जिले के महुवा पुलिस थाने के एक कांस्टेबल के फांसी लगाकर अपनी करने की घटना से पुलिस बेडे में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की ह। जानकारी के मुताबिक सूरत के पूणा गांव निवासी आशीष विनोदभाई चौधरी सूरत जिले के महुवा पुलिस थाने में बतौर कांस्टेबल सेवारत थे। आशीष चौधरी ने किन्हीं कारणों से अपने खेत स्थित आम के पेड पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आशीष चौधरी का पेड से लटका शव देख लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटनास्थल पर पुलिस पहुंची तब आशीष चौधरी का शव पेड से लटका हुआ था। पुलिस को घटनास्थल से कोई स्यूसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या की गुत्थी और उलझ गई है। हांलाकि आशीष के परिजनों का कहना है कि वह पिछले काफी समय से बीमार थे, जिसकी वजह से उन्होंने आत्महत्या की होने का अनुमान है।

पुलिस ने आशीष चौधरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है।

घर में सो रही १४ साल की किशोरी का अपहरण कर युवक ने किया दुष्कर्म

क्रांति समय दैनिक

सुरेन्द्रनगर चोटीला में रहनेवाली १४ साल की एक किशोरी का रात में दो युवकों ने अपहरण कर लिया और बाद में एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के परिवार ने रेपिस्ट समेत उसकी मदद करनेवाले युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर जिले के चोटीला में पालियाद रोड पर रहनेवाली १४ वर्षीय किशोरी देर रात अपने परिवार के साथ सो रही थी। रात करीब ढाई बजे चोटीला तहसील के अकाला गांव में रहनेवाले विजय और महेश नामक दो युवक किशोरी के घर में घुस गए। किशोरी को शादी की लालच देकर दोनों युवकों ने किशोरी का अपहरण कर लिया। किशोरी को मेसरिया क्षेत्र में ले जाकर विजय नामक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के परिवार ने विजय और उसकी मदद करने वाले महेश के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर चोटीला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश के बाइक चोर गिरोह का एक शख्स गिरफ्तार,30 मोटर साइकिलें बरामद

क्रांति समय दैनिक

सूरत एलसीबी ने मध्य प्रदेश के बाइक चोर गिरोह के एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य चार को फरार घोषित किया है। बाइक चोर गिरोह के शख्स दिन में निर्माण कार्य के दौरान रेकी करते और मौका मिलते ही मोटर साइकिल चुराकर मध्य प्रदेश भेज देते थ। पुलिस ने ७.६३ लाख रूपए कीमत की ३० मोटर साइकिलें जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत एलसीबी और पेरोल फर्लो स्क्वॉड गश्त पर थी, उस वक्तसूचना मिली थी कि नरेश और जेराम नामक दो शख्स अपने साथियों के साथ मिलकर मोटर साइकिल चोरी करते हैं और चोरी की मोटर साइकिलें मध्य प्रदेश ले जाते हैं। सूचना के आधार पर एलसीबी वॉच पर थी। उस वक्तमोटर साइकिल पर गुजर रहे २० वर्षीय एक शख्स को रोक उससे कड़ी पूछताछ शुरू की। नरेश गुजरिया नामक शख्स जिस मोटर साइकिल पर आया था वह चोरी की थी। नरेश के बाइक चोरी की होने का कबूल करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मामले की जांच तेज कर दी। जांच में पता चला कि

नरेश गुजरिया अपने साथियों के साथ मिलकर ३० जितनी मोटर साइकिलें चुराकर मध्य प्रदेश ले जा चुका है। जिसके आधार पर पुलिस ने मध्य प्रदेश से चोरी की ३० जितनी चोरी की मोटर साइकिलें बरामद की, जिसकी कीमत रु ७.६३ लाख है। मोटर साइकिल चोरी के मामले में संलिप्त अन्य चार शख्सों को पुलिस ने वांटेड घोषित किया है। पूछताछ में नरेश गुजरिया ने बताया कि उसके गिरोह के शख्स सूरत शहर समेत जिले के अलग अलग क्षेत्रों में निर्माण कार्य के लिए आते तब मोटर साइकिल की रेकी करते और रात में उसकी चोरी कर मध्य प्रदेश भेज देते थे।

विरासत और आधुनिक विज्ञान की नींव पर हो रहा है गुजरात का विकासः मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि आधुनिक गुजरात के विकास को सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी आयोजन को हम तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात का विकास विरासत और आधुनिक विज्ञान की नींव पर हो रहा है। अहमदाबाद में प्रधानमंत्री की प्रेरणा से निर्मित साइंस सिटी के विभिन्न प्रकल्पों के कार्यों की समीक्षा और जायजा लेने के लिए रविवार को साइंस सिटी के दौरे के दौरान उन्होंने यह बात कही। उन्होंने विश्वास जताया कि साइंस सिटी में जल्द ही आकार लेने जा रहीग्लोबल रोबोटिक गैलरी और देश का सबसे बड़ा एक्वेरियम आने वाले दिनों में अनुठे आकर्षण का केंद्र बनेगा। रूपाणी ने कहा कि गुजरात को एजुकेशन हब बनाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है और इसलिए ही हम नॉलेज कॉरिडोर विकसित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइंस सिटी के अद्यतन प्रकल्पों के माध्यम से राज्य के बच्चों में विज्ञान की दुनिया को लेकर रस-रुचि पैदा हो उसके लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि साइंस सिटी में कुछ ही समय में आकार लेने वाले ग्लोबल रोबोटिक गैलरी और देश के सबसे बड़े एक्वेरियम के चलते राज्य के बच्चे विज्ञान जगत में ओतप्रोत हो सकेंगे। रूपाणी ने रोबोटिक गैलरी में रोबोजियम, रिसर्च एवं रेस्क्यू में रोबोटिक की भूमिका, मेडिकल और स्वास्थ्य क्षेत्र में रोबोटिक पर्फोमेंस को रूबरू देखा। उन्होंने कहा कि राज्य में चहुंमूखी विकास हुआ है। इस मौके पर उन्होंने बालासिनोर में डायनासोर पार्क के विकास की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास की नींव में पर्यावरण के जतन का भी ख्याल रखा है और इसीलिए मोढेरा में सोलर सिटी

विजय रूपाणी ने किया साइंस सिटी का दौरा कर विभिन्न कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

का आयोजन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की भावी पीढ़ी को विज्ञान और टेक्नोलॉजी के सहारे विकास करते हुए दुनिया की बराबरी करने को तैयार करने के लिए राज्य के प्रत्येक जिले में विज्ञान केंद्र और चार स्थलों पर प्रादेशिक म्यूजियम विकसित किए जा रहे हैं।

रूपाणी ने साइंस सिटी में चल रहे कार्यों की सर्वग्राही समीक्षा की। उन्होंने साइंस सिटी द्वारा तैयार की गई 'अवर फाइट्स अगेन्स कोविड-१९' पुस्तिका और साइंस सिटी की समग्र जानकारी वाली पेन ड्राइव का विमोचन भी किया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव हरित शुक्ला ने म्यूजिकल फाउंटेन, नया थियेटर, प्लेनेट अर्थ विभाग, एनर्जी पार्क और लाइफ साइंस विभाग जैसे साइंस सिटी में जारी कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान गुजरात साइंस सिटी के कार्यकारी निदेशक एस.डी. वोरा और अधिकारी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद होकर 5 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन सेवाओं का विस्तार

यात्रियों की सुविधा के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए अहमदाबाद होकर 5 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन सेवाओं का विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा के अनुसार, इन विशेष ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :

1). ट्रेन नंबर 02929/02930 बांद्रा टर्मिनस – जैसल. मेर सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (साप्ताहिक) 10 फेरे,

ट्रेन नंबर 02929 बांद्रा टर्मिनस – जैसलमेर फेस्टिवल स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक शुक्रवार को 11.35 बजे प्रस्थान करेगी, और अगले दिन 09.40 बजे जैसलमेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 से 29 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02930 जैसलमेर – बांद्रा टर्मिनस फेस्टिवल स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 19.00 बजे जैसलमेर से रवाना होगी और अगले दिन 15.25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आणंद, नडियाद, अहमद. ाबाद, साबरमती बीजी, मेहसाणा जंक्शन, ऊंझा, पालनपुर जंक्शन, आबू रोड, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जंक्शन, पाली मा. रवाड़, जोधपुर जंक्शन, ओसियां, फलोदी और रामदेवरा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।

2). ट्रेन नंबर 09027/09028 बांद्रा टर्मिनस – जम्मू तवी फेस्टि. टवल विशेष (साप्ताहिक) 10 फेरे,

ट्रेन नंबर 09027 बांद्रा टर्मिनस – जम्मू तवी फेस्टिवल स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक शनिवार को 11.35 बजे प्रस्थान करेगी, और अगले दिन 23.05 बजे जम्मू तवी पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09028 जम्मू तवी – बांद्रा टर्मिनस फेस्टि. टवल स्पेशल प्रत्येक सोमवार को जम्मू तवी से 05.45 बजे छूटेगी और अगले दिन 14.50 बजे बां. द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 जनवरी से 1 फरवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद, मेहसाणा जंक्शन, पालनपुर जंक्शन, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, पाली मारवाड़, जोधपुर जंक्शन, मेड़ता रोड जंक्शन, डेगाना जंक्शन, छोटी खाटू, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़, रतनगढ़ जंक्शन, चूरू, सादुलपुर जंक्शन, हिसार, बरवाला, धुरी जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट और कठुआ स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।

3) ट्रेन नंबर 09424/09423 गांधीधाम – तिरुनेलवेली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (साप्ताहिक) 8 फेरे,

ट्रेन नंबर 09424 गांधीधाम – तिरुनेलवेली फेस्टिवल स्पेशल हर सोमवार को गांधीधाम से 04.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.35 बजे तिरुनेलवेली पह. ुंचेगी। यह ट्रेन 4 से 25 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09423 तिरुनेलवेली – गांधीधाम फेस्टिवल स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को तिरुनेलवेली से 07.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 02.35 बजे गांध ीधाम पहुंचेगी। यह ट्रेन 7 से 28 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, वसई रोड, पनवेल, रोहा, रत्ना. गिरि, मडगाँव, करवार, मंगलुरु जंक्शन, कोझीकोड, शोरानूर, त्रिसूर, एर्नाकुलम, कयाकमकुलम, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल और नागरको. इल टाउन स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।

4) ट्रेन नंबर 02905/02906 ओखा – हावड़ा सुपरफास्ट फेस्टि. टवल स्पेशल (साप्ताहिक) 10 फेरे,

ट्रेन नंबर 02905 ओखा – हावड़ा फेस्टिवल स्पेशल हर रविवार को 08.40 बजे ओखा से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 03.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन 3 से 31 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02906 हावड़ा – ओखा फेस्टिवल स्पेशल हावड़ा से प्रत्येक मंगलवार को 21.15 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 16.30 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 जनवरी से 2 फरवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन द्वारका, खंभालिया, जामनगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर, विरमगाम जंक्शन, अहमदाबाद, आणंद जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, सूरत, नंदुरबार, भुसावल जंक्शन, अकोला जंक्शन, बडनेरा जंक्शन, नागपुर, गोंदिया जंक्शन, राजनंदगाँव, दुर्ग, रायपुर जंक्शन, भाटापारा, बिलासपुर जंक्शन, चंपा जंक्शन, रायगढ़, झारसुगुड़ा जंक्शन, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर जंक्शन और खड़गपुर जंक्शन स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में AC 2&Tier] AC&3 Tier] स्लीपर क्लास, सेकंड क्लास सीटिंग और ***Pantry Car*** कोच शामिल हैं।

5) ट्रेन नंबर 09205/09206 पोरबंदर – हावड़ा सुप. रफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (द्वि–साप्ताहिक) 16 फेरे,

ट्रेन नंबर 09205 पोरबंदर – हावड़ा फेस्टिवल स्पेशल हर बुध वार और गुरुवार को पोरबंदर से 08.50 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः शुक्रवार और शनिवार को 03.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन 6 से 28 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09206 हावड़ा – पोरबंदर फेस्टिवल स्पेशल हर शुक्रवार और शनिवार को हावड़ा से 21.15 बजे छूटेगी और क्रमशः रविवार और सोमवार को 15.40 बजे पोरबंदर पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी।

यह ट्रेन जामनगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर, विरमगाम जंक्शन, अहमदाबाद, आनंद जंक्शन, वडा. `दरा जंक्शन, सूरत, नंदुरबार, भुसावल जंक्शन, अकोला जंक्शन, बडनेरा जंक्शन, नागपुर, गोंदिया जंक्शन, राजनंदगाँव, दुर्ग, रायपुर जंक्शन, भाटापारा, बिलासपुर जंक्शन, चंपा जंक्शन, रायगढ़, झारसुगुड़ा जंक्शन, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर जंक्शन और खड़गपुर जंक्शन स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास, द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच और पेंट्री कार शामिल हैं।

ट्रेन नंबर 02929, 09027, 09424, 02905.09205 की बुकिंग 29 दिसंबर, 2020 से नामित पीआरएस काउंटरों और आई. आरसीटीसी की वेबसाइट पर खुल जाएगी। ये ट्रेनें पूरी तरह से आरक्षित ट्रेनों के रूप में चलेगी।

संबंधित विशेष ट्रेनों के हाल्ट के बारे में विस्तृत समय के लिए, यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सार–समाचार

पश्चिम रेलवे द्वारा 6 और फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन सेवाओं का विस्तार

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा इस अवधि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाई जा रही ६ और विशेष ट्रेनों को २ फरवरी , २०२१ तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा के अनुसार इन ट्रेनों के विस्तारित फेरों का विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

१). ट्रेन सं. ०२९८९/०२९९० दादर – अजमेर सुपरफास्ट त्योरहार विशेष ट्रेन (त्रि- साप्ताहिक) ६३० फेरे8

ट्रेन सं. ०२९८९ दादर-अजमेर सुपरफास्ट्झ विशेष ट्रेन दादर से प्रत्ये क गुरुवार, शनिवार एवं सोमवार को १५.०५ बजे प्रस्थान कर अगले दिन ०८.०५ बजे अजमेर पहुँचेगी। यह ट्रेन ३१ दिसम्ब र २०२० से १ फरवरी २०२१ तक चलेगी। इसी प्रकार वापसी यात्रा में ट्रेन सं. ०२९९० अजमेर-दादर सुपरफास्टी विशेष ट्रेन अजमेर से प्रत्ये२क बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को १९.५० बजे प्रस्थान कर अगले दिन १२.२५ बजे दादर पहुँचेगी। यह ट्रेन ३० दिसम्बवर २०२० से ३१ जनवरी २०२१ तक चलेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में बोरीवली, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, नडियाड, अहमदाबाद, महेसाणा, ऊंझा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जं., सोजत रोड एवं ब्याहवर स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी ढ्ढ टियर, एसी ढ्ढढ्ढ टियर, शयनयान तथा द्वितीय श्रेणी सीटिंग के डिब्बे होंगे।

२). ट्रेन सं. ०९७०७/०९७०८ बांद्रा टर्मिनस-श्री गंगानगर विशेष ट्रेन (प्रतिदिन) ६६२ फेरे8

ट्रेन सं. ०९७०७ बांद्रा टर्मिनस-श्री गंगानगर विशेष ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से २१.०० बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन ०४.१५ बजे श्री गंगानगर पहुँचेगी। यह ट्रेन ३ जनवरी २०२१ से २ फरवरी २०२१ तक चलेगी। इसी प्रकार वापसी यात्रा में ट्रेन सं. ०९७०८ श्री गंगानगर- बांद्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन श्री गंगानगर से २३.०० बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन ०६.१५ बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन से १ जनवरी से ३१ जनवरी २०२१ तक चलेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में अंधेरी, बोरीवली, डहानु रोड, वापी, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, साबरमती बीजी, कलोल, महेसाणा जं., ऊंझा, सिद्धपुर, छापी, पालनपुर, आबू रोड, स्वमस्थगंज, पिंडवाड़ा, नाना, जवाई बांध, फालना, रानी, सोमेसर, मारवाड़ जं., सोजत रोड, ब्यासवर, अजमेर, किशनगढ़, नरैना, फुलेरा जं., आसलपुर जोबनेर, जयपुर, गोविंदगढ़ मालिकपुर, रिंगस जं., सीकर जं., लक्ष्मणगढ़ सीकर, फतेहपुर शेखावाटी, चुरू सादुलपुर जं., तहसील भद्रा, नोहर, इलेनाबाद, हनुमानगढ़ टाउन, हनुमानगढ़ जं. एवं सादुलशहर स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी ढ्ढ टियर, एसी ढ्ढढ्ढ टियर, शयनयान तथा द्वितीय श्रेणी सीटिंग के डिब्बे होंगे।

३). ट्रेन सं. ०२४७४/०२४७३ बांद्रा टर्मिनस- बीकानेर साप्ताहिक सुपरफास्टश त्योहार विशेष ट्रेन (८ फेरे)

ट्रेन सं. ०२४७४ बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर विशेष ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येसक मंगलवार को १४.३५ बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन १०.१० बजे बीकानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन ५ जनवरी से २६ जनवरी २०२१ तक चलेगी। इसी प्रकार वापसी यात्रा में ट्रेन सं. ०२४७३ बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन बीकानेर से प्रत्ये क सोमवार को १५.०० बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन ११.५५ बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन ०४ से २५जनवरी, २०२१ तक चलेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में बोरीवली, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाड, अहमदाबाद, महेसाणा जं., ऊंझा, पालनपुर जं., आबू रोड, जवाई बांध, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़, जोधपुर जं., मेड़ता रोड., नागौर तथा नोखा स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी २ टियर, एसी ३ टियर, शयनयान तथा द्वितीय श्रेणी सीटिंग के डिब्बे होंगे।

४). ट्रेन सं. ०२४९०/०२४८९ दादर-बीकानेर सुपरफास्ट त्यो हार विशेष (द्वि-साप्ताहिक) ६१८ फेरे8

ट्रेन सं. ०२४९० दादर-बीकानेर सुपरफास्टी विशेष ट्रेन दादर से प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को १५.०५ बजे प्रस्थान कर अगले दिन १२.३० बजे बीकानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन ३ से ३१ जनवरी २०२१ तक चलेगी। इसी प्रकार वापसी यात्रा में ट्रेन सं. ०२४८९ बीकानेर-दादर सुपरफास्टव विशेष ट्रेन बीकानेर से प्रत्योक मंगलवार एवं शनिवार को १५.०० बजे प्रस्थान कर अगले दिन १२.२५ बजे दादर पहुँचेगी। यह ट्रेन ०२ से ३० जनवरी, २०२१ तक चलेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा जं., पाटन, भीलड़ी जं., रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरन, जालोर, मोकलसर, समदड़ी जं., जोधपुर जं. एवं नागौर स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी २ टियर, एसी ३ टियर, शयनयान तथा द्वितीय श्रेणी सीटिंग के डिब्बे होंगे।

५). ट्रेन सं. ०४८१८/०४८१७ दादर-भगत की कोठी त्योरहार विशेष ट्रेन (द्वि-साप्ताहिक) ६१८ फेरे8

ट्रेन सं. ०४८१८ दादर- भगत की कोठी विशेष ट्रेन दादर से प्रत्योक मंगलवार एवं शुक्रवार को १५.०५ बजे खाना होकर अगले दिन ०७.२० बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन ०५ जनवरी से २९ जनवरी, २०२१ तक चलेगी। इसी प्रकार, वापसी यात्रा में ट्रेन सं. ०४८१७ भगत की कोठी-दादर विशेष ट्रेन भगत की कोठी से प्रत्येसक सोमवार एवं गुरुवार को १९.५० बजे खाना होकर अगले दिन १२.२५ बजे दादर पहुँचेगी। यह ट्रेन ०४ जनवरी से २८ जनवरी २०२१ तक चलेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा जं., पाटन, भीलड़ी जं., रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोडरन, जालोर, मोकलसर एवं समदड़ी स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी २ टियर, एसी ३ टियर, शयनयान तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

६).ट्रेन संख्या ०५२७०/०५२६९ अहमदाबाद -मुजफ्फरपुर -अहमदाबाद (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या ०५२७० अहमदाबाद -मुज्जफरपुर ९ जनवरी २०२१ से ३० जनवरी २०२१ तक प्रति शनिवार अहमदाबाद से १८ः०० बजे चलकर तीसरे दिन ०३ः५८ बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी।इसी तरह ट्रेन संख्या ०५२६९ मुजफ्फरपुर ङ्क अहमदाबाद स्पेशल ०७ जनवरी से २८ जनवरी २०२१ तक प्रति गुरुवार मुजफ्फरपुर से २१ः२० बजे चलकर तीसरे दिन ०७ः४० बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन मेहसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़ जंक्शन, अजमेर, फुलेरा, जयपुर, भरतपुर, अछनेरा, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी जंक्शन, सिवान, छपरा, सोनपुर तथा हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्यास ०२९८९ की बुकिंग २९ दिसम्बकर, २०२० से तथा ट्रेन संख्या ०९७०७,०२४७४ ०२४९० एवं ०४८१८ की बुकिंग ३० दिसम्बर, २०२० से निर्धारित पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त सभी ट्रेनें विशेष किराये पर पूरी तरह से आरक्षित ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य

हिन्दू धर्म में पंच नित्य कर्म का उल्लेख मिलता है जिन्हें हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य कहा जाता है। उक्त पंच कर्म की उपयोगिता वैदिक काल से बनी हुई है। इस पंच नित्य कर्म का सभी धर्म पालन करते हैं। कर्तव्यों का विशद विवेचन धर्मसूत्रों तथा स्मृतिग्रंथों में मिलता है। ये पांच कर्म है-1. संध्योपासन, 2. उत्सव, 3. तीर्थ, 4. संस्कार और 5. धर्म।

संध्योपासन

संध्योपासन अर्थात् संध्या वंदन। मुख्य संधि पांच वक्त की होती है जिसमें से प्रातः और संध्या की संधि का महत्व ज्यादा है। संध्या वंदन को छोड़कर जो मनमानी पूजा-आरती आदि करते हैं उनका कोई धार्मिक महत्व नहीं। संध्या वंदन प्रतिदिन करना जरूरी है। संध्या वंदन के दो तरीके- प्रार्थना और ध्यान।

संध्या वंदन के लाभ - प्रतिदिन संध्या वंदन करने से जहां हमारे भीतर की नकारात्मकता का निकास होता है वहीं हमारे जीवन में सदा शुभ और लाभ होता रहता है। इससे जीवन में किसी प्रकार का भी दुख और दर्द नहीं रहता।

उत्सव

उन त्यौहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परम्परा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख धर्मग्रंथों में मिलता है। मनमाने त्यौहारों को मनाने से धर्म की हानि होती है। संक्रांतियों को मनाने का महत्व ही ज्यादा है। एकादशी पर उपवास करना और साथ ही त्यौहारों के दौरान मंदिर जाना भी उत्सव के अंतर्गत ही है।

उत्सव का लाभ - उत्सव से संस्कार, एकता और उत्साह का विकास होता है। पारिवारिक और सामाजिक एकता के लिए उत्सव जरूरी है। पवित्र दिन और उत्सवों में बच्चों के शामिल होने से उनमें संस्कार का निर्माण होता है वहीं उनके जीवन में उत्साह बढ़ता है। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों, एकादशी व्रतों की पूर्ति तथा सूर्य संक्रांतियों के दिनों में उत्सव मनाया जाना चाहिए।

तीर्थ

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। कौन-सा है एक मात्र तीर्थ? तीर्थाटन का समय क्या है? जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। अयोध्या, काशी, मथुरा, चार धाम और कैलाश में कैलाश की महिमा ही अधिक है।

लाभ - तीर्थ से ही वैराग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तीर्थ से विचार और अनुभवों को विस्तार मिलता है। तीर्थ यात्रा से जीवन को समझने में लाभ मिलता है। बच्चों को पवित्र स्थलों एवं मंदिरों की तीर्थ यात्रा का महत्व बताना चाहिए।

संस्कार

संस्कारों के प्रमुख प्रकार सोलह बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिंदू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह हमारे सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है।

लाभ - संस्कार हमें सभ्य बनाते हैं। संस्कारों से ही हमारी पहचान है। संस्कार से जीवन में पवित्रता, सुख, शांति और समृद्धि का विकास होता है। संस्कार विरूद्ध कर्म करना जंगली मानव की निशानी है।

धर्म

धर्म का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म को पांच तरीके से साधा जा सकता है- 1. व्रत, 2. सेवा, 3. दान, 4. यज्ञ और 5. धर्म प्रचार। यज्ञ के अंतर्गत वेदाध्ययन आता है जिसके अंतर्गत छह शिक्षा (वेदांग, सांख्य, योग, निरुक्त, व्याकरण और छंद), और छह दर्शन (न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, सांख्य, वेदांत और योग) को जानने से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

लाभ - व्रत से मन और मस्तिष्क जहां सुदृढ़ बनता है वहीं शरीर स्वस्थ और बलवान बना रहता है। दान से पुण्य मिलता है और व्यर्थ की आसक्ति हटती है जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। सेवा से मन को जहां शांति मिलती है वहीं धर्म की सेवा भी होती है। सेवा का कार्य ही धर्म है। यज्ञ है हमारे कर्तव्य जिससे ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है।

ऐसी वस्तुओं को नदी में बहा देना ही शुभ है क्योंकि...

पूजा रूम से हटाया गया कोई भी सामान चाहे वह मूर्ति हो, पितृ को या भगवान को उपले पर लगाए गए भोग की राख हो या फूल घर के किसी और जगह पर ना रखें। ऐसी वस्तुओं को किसी नदी में प्रवाहित कर देना शुभ होता है लेकिन ये बहुत कम लोग जानते हैं कि इन सभी चीजों को पूजास्थल से हटाने के बाद घर में क्यों नहीं रखना चाहिए?

दरअसल ताजे फूलों को पूजा में हमेशा रखा जाता है। इसका कारण यह है कि फूल की खुश्बू और सुन्दरता पूजन करने वाले के मन को सुन्दरता और शांति का एहसास दिलवाती है। ऐसा माना जाता है कि जब पूजा में इनका उपयोग किया जाता है, तो फूल अद्भुत ऊर्जा का सृजन पूरे घर में करते हैं और इससे घर में खुशियों का आगमन होता है। जबकि इसके विपरित मुरझाये फूल मृत्यु के सूचक माने जाते हैं। साथ ही हमेशा पूजन आदि कर्म करते समय यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि घर में किसी तरह की खंडित मूर्ति नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार खंडित मूर्ति की पूजा को अपशकुन माना गया है। शास्त्रों के अनुसार ऐसी मूर्ति के पूजन से अशुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि प्रतिमा पूजा करते समय भक्त का पूर्ण ध्यान भगवान और उनके स्वरूप की ओर ही होता है। अतः ऐसे में यदि प्रतिमा खंडित होगी तो भक्त का सारा ध्यान उस मूर्ति के उस खंडित हिस्से पर चले जाएगा और वह पूजा में मन नहीं लगा सकेगा। इसके अलावा पितृ या भगवान को उपले पर लगाए गए भोग की राख को भी घर में रखना शुभ नहीं माना जाता है। तीनों बातों के पीछे का कारण वास्तु से ही जुड़ा है। वास्तु के अनुसार इन तीनों ही चीजों का घर में रखने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा का स्तर कम होने लगता है व नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। इसलिए इन्हें तुरंत ही नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

श्रीमहेश्वर हनुमान भक्तों पर मेहरबान

हरि के प्रदेश हरियाणा में सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। समय-समय पर यहां ऋषि-मुनियों ने तप किया और उनके अनन्य भक्तों ने उनके धार्मिक स्थलों का निर्माण करवाया। विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में यह वर्णित है कि समस्त भारतवर्ष में लगभग 33 करोड़ देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। कलयुग में पवनपुत्र हनुमान, मां भगवती और शिवशंकर भोलेनाथ की विशेष रूप से आराधना की जाती है। हरियाणा में स्थित इनके धार्मिक स्थल हरियाणावासियों की इनके प्रति अगाध आस्था को परिलक्षित करते हैं। हरियाणा की पावन धरा पर पवनपुत्र हनुमान के भी असंख्य मंदिर बने हैं। यहां शायद ही कोई ऐसा गांव या शहर होगा जहां हनुमान मंदिर न हो।

हरियाणा में स्थित कुछ हनुमान मंदिर तो प्राचीन हैं और कुछ का निर्माण अभी हो रहा है या कुछ समय पूर्व पूरा हुआ है। श्रीमहेश्वर हनुमान मंदिर भी इनमें शुमार है जिसका निर्माण हनुमान भक्त ओमप्रकाश खुराना ने अपने बेटे महेश खुराना की याद में करवाया था। यह मंदिर कुरुक्षेत्र के सेक्टर-13 में कांग्रेस भवन के पास स्थित है। मंदिर का भवन बहुत सुंदर है। इस मंदिर का विधिवत उद्घाटन गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने किया था। वर्ष 2010 में इस हनुमान मंदिर में शिव परिवार, शिवलिंग तथा मां भगवती की मूर्तियों की स्थापना की गई थी। इस मंदिर में मुख्य मूर्ति पवनपुत्र हनुमान की है जो लगभग आठ फुट ऊंची अत्यंत सुंदर और तेजस्वी है। मंदिर के नीचे बेसमेंट है जहां लंगर का प्रबंध किया जाता है। मंदिर में सभी उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। पवनपुत्र हनुमान को बजरंग बली के साथ-साथ रामसेवक भी कहा जाता है, इसलिए श्रद्धालुओं का मानना है कि पवनपुत्र अपने भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर आशीर्वाद रूप में उनकी भी सेवा ही करते हैं। जो व्यक्ति इनको अपना आराध्य मानकर सच्ची लगन से इनकी भक्ति करता है उसका साथ ये सदैव देते हैं। रूद्रावतार हनुमान अष्ट सिद्धि एवं नव निधि के दाता हैं। अतः श्रद्धालुओं का मानना है कि हनुमान की उपासना जीवन में सफलता दिलाने वाली है, इसलिए जब भी कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों व मार्ग से भटक जाता है तो उसको हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। हनुमान की उपासना करने से कई प्रकार की बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। श्रद्धालुओं का यह मानना है कि शनिदेव भी हनुमान भक्त का हर मुश्किल घड़ी में पूरा साथ देते हैं। श्रद्धालुओं के साथ पवनपुत्र हनुमान के अलावा शनिदेव का आशीर्वाद सदैव रहता है।

मंदिर में बना हाल इतना सुंदर है कि देखने वाला इसे अपलक देखता रह जाता है। भारतवर्ष के विभिन्न भागों से आए कथा वाचक यहां पर कथा का वाचन कर चुके हैं जिनमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, राजेंद्र पराशर, स्वामी विशेश्वरी देवी, स्वामी ज्ञानेश्वरी देवी, स्वामी चितम्बा और पंडित कृष्ण चंद ठाकुर पटौदीवाले प्रमुखता से शामिल हैं। इसके अलावा मंदिर के बेसमेंट में आर्ट ऑफ लिविंग के कई शिविर लग चुके हैं। इस हाल का इस्तेमाल जनकल्याण कार्यो के लिए किया जाता है।

नवरात्रों में हजारों श्रद्धालु यहां आकर मां भगवती की पूजा-अर्चना करते हैं। श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती के पाठ के अलावा शाम को मां दुर्गा की महिमा का गुणगान करते हैं। इसी तरह शिवरात्रि के अवसर पर शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लाकर भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। मंगलवार के दिन तो यहां लंबी-लंबी कतार लग जाती हैं। इस दिन यहां दूर-दूर से श्रद्धालु प्रसाद चढ़ाने आते हैं। हर मंगलवार को सुंदरकांड का पाठ व कीर्तन भी किया जाता है। हर वर्ष मंदिर का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथा वाचक और गायक बुलाए जाते हैं और सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। कार्यक्रम के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें शहर से असंख्य श्रद्धालु शिरकत करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। मंदिर के संरक्षक ओमप्रकाश खुराना तथा उनकी सहयोगी टीम के सदस्यों के सहयोग से मंदिर का प्रबंधन सुंदर ढंग से चल रहा है। मंदिर में स्थापित पवनपुत्र के मुंह बोलते विग्रह को देखकर हर कोई सहज ही नतमस्तक हो जाता है। श्रद्धालुओं का मानना है कि पवनपुत्र हनुमान की उपासना शीघ्र फलदायी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहचान करो और ईमान लो 501/-
नियम और शर्तें लागु

अधिकारी के महेरबानी से बनी, यह अवैध बिल्डिंग की यह हालत

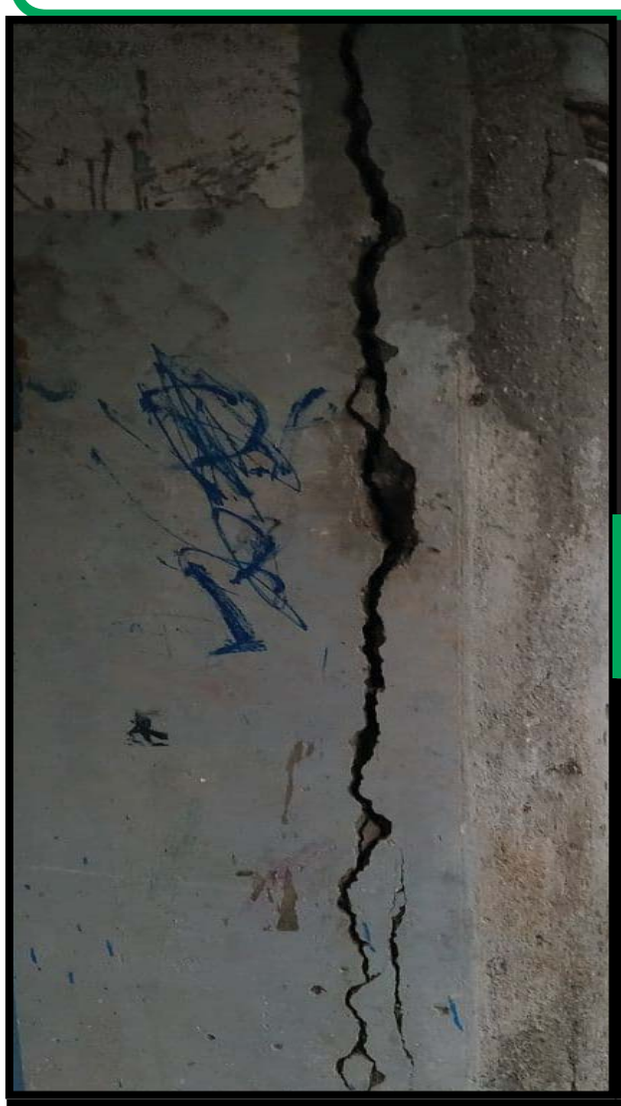

यह सरकार नही बिल्डर ने बनाया यह बिल्डिंग

नही ही B.U.C. नही ही N.O.C.

सीधा परमीशन, बिना पेपर के परमीशन

बिल्डर्स पर महेरबान अधिकारी

अलग-अलग स्थल पर भष्टाचार का नमूना

अपना जवाब इस नबर पर WhatsApp करें -9118221822

सरकारी अधिकारी भी भाग ले सकते है ईमान की रकम दो गुना होगा

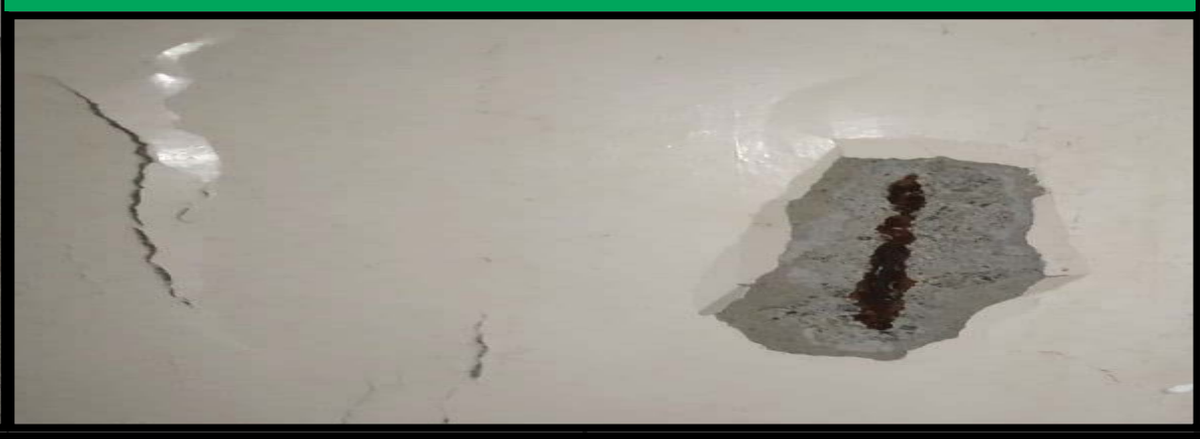

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने सीबीआई से पूछा, सुशांत सिंह राजपूत की मौत खुदकुशी थी या हत्या

नागपुर। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने रविवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से आग्रह किया कि वह बताए कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत खुदकुशी के कारण हुई थी या उनकी हत्या की गई थी। देशमुख ने कहा कि सीबीआई को जल्द से जल्द मामले में जांच रिपोर्ट को सामने लाना चाहिए। देखमुख ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में महाराष्ट्र और देश के लोग सीबीआई की रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लोग मुझसे मामले की स्थिति के बारे में पूछते हैं ... मैं सीबीआई से यह प्रकट करने का अनुरोध करता हूं कि वह बताएं कि यह (अभिनेता की मौत) आत्महत्या थी या हत्या।' उन्होंने कहा, 'सीबीआई को मामला सौंपें पांच से छह महीने बीत चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सैन्य अधिकारी, दो अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस साल जुलाई में शोपियां में कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में सेना के एक अधिकारी समेत तीन लोगों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। उस मुठभेड़ में तीन नागरिकों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि आरोप पत्र शनिवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत, शोपियां में दायर किया गया। उन्होंने कहा कि आरोप पत्र में सेना की 62 राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन भूपिंदर, बिलाल अहमद और ताबिश अहमद को कथित फर्जी मुठभेड़ में उनकी भूमिका के लिए आरोपी बनाया गया है। मुठभेड़ में मारे गए युवक राजौरी जिले के रहने वाले थे। सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने जुलाई में शोपियां जिले में अम्शीपुरा मुठभेड़ मामले में शामिल दो लोगों के खिलाफ साक्ष्यों का सारांश पूरा कर लिया है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि औपचारिकताएं पूरी होने के बाद कोर्ट मार्शल हो सकता है। इससे पहले इस मामले में सेना ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया था जब सोशल मीडिया पर खबर आई कि सेना के जवानों ने एक मुठभेड़ में तीन युवकों को आतंकवादी बताकर मार गिराया है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी की जांच सितंबर में पूरी हो गई थी। इसमें प्रारंभिक तौर पर पाया था कि 18 जुलाई की मुठभेड़ के दौरान इन जवानों ने सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफ्सपा) के तहत मिली शक्तियों के नियमों का उल्लंघन किया है। इसके बाद सेना ने अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की थी। इस घटनाक्रम से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि सेना के दो जवानों को अफ्सपा के तहत निहित शक्तियों के उल्लंघन के लिए कोर्ट मार्शल का सामना करना पड़ सकता है।

किसान नेता राकेश टिकैत बोले, अड़ियल रवैया छोड़े सरकार, कानून वापस नहीं तो घर वापसी नहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली की सीमा पर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन को एक महीना हो गया है। सरकार और किसानों के बीच कई दौर की बातचीत अब तक बेनतीजा रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का कहना है कि सरकार अड़ियल रवैया छोड़े, क्योंकि सशर्त बातचीत का कोई मतलब नहीं है। उनका कहना है कि अगर कानून वापस नहीं लिए जाते हैं तो आंदोलनकारी किसान भी घर वापस नहीं जाएंगे। इस मुद्दे पर पेश हैं उनसे 'के पांच सवाल' और उनके जवाब... सवाल - कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का कोई नतीजा नहीं निकला है। आगे की राह क्या होगी ? जवाब - सरकार हमसे बातचीत करना चाहती है और हमसे तारीख तथा मुद्दों के बारे में पूछ रही है। हमने 29 दिसंबर को बातचीत का प्रस्ताव दिया है। अब सरकार को तय करना है कि वह हमें कब बातचीत के लिए बुलाती है। हमारा कहना है कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए तौर-तरीके और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए गारंटी का मुद्दा सरकार के साथ बातचीत के एजेंडे में शामिल होना चाहिए। हमने साफ कहा है कि सरकार अड़ियल रवैया छोड़े, क्योंकि सशर्त बातचीत का कोई मतलब नहीं है। कानून वापसी नहीं तो घर वापसी नहीं। सवाल - आपने हाल ही में किसान आंदोलन को लेकर गुरुद्वारा लंगर की तरह से मंदिरों व एवं धार्मिक ट्रस्टों से भी योगदान देने की बात कही थी। इस बयान से पैदा विवाद पर क्या कहेंगे ?

जेडीयू में नीतीश की जगह लेंगे आरसीपी सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

पटना में जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक चल रही है। कर्पूरी सभागार में नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। आरसीपी सिंह को जेडीयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। बैठक में नीतीश कुमार ने आरसीपी सिंह को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव दिया। जिसका अन्य सदस्यों ने अनुमोदन किया। मुख्यमंत्री को 2019 में तीन वर्षों के लिए जद (यू) का अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन उन्होंने राज्यसभा के सदस्य सिंह के लिए यह पद छोड़ दिया। सिंह पहले नौकरशाह थे, जो बाद में नेता बने और क्षेत्रीय दल के अब तक वह महासचिव थे। बीते दिनों इसके संकेत नीतीश कुमार ने दे दिए थे। जब उनसे पूछे जाने पर कि पार्टी में कौन उनका राजनीतिक वारिस होगा तो इसके जवाब में दो टूक कहा था कि उनके बाद सबकुछ आरसीपी सिंह जी हीं देखेंगे। आरसीपी सिंह पार्टी में नंबर दो माने जाते हैं।

मणिपुर में बोले शाह, पीएम मोदी ने इनर लाइन परमिट के रूप में दिया सबसे बड़ा तोहफा

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

गृह मंत्री अमित शाह पूर्वोत्तर राज्यों के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचे शाह ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इम्फाल में कार्यक्रम में कहा मणिपुर को पहले विद्रोह, नाकेबंदी और बंद के लिए जाना जाता था, लेकिन अब अधिकतर उग्रवादी मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर के लोगों को इनर लाइन परमिट के रूप में सबसे बड़ा तोहफा दिया है। पूरे पूर्वोत्तर में शांति बहाल हो और पूर्वोत्तर तेज़ गति से विकास के रास्ते पर चल सके इसके लिए मोदी जी ने ढेर सारी समस्याओं का निराकरण किया।

अमित शाह ने कहा कि मुझे कहते हुए गर्व हो रहा है कि प्रधानमंत्री ने ?साढ़े छह साल के अंदर पूर्वोत्तर भारत में विकास की बाढ़ लाने का काम किया है। मूल निवासियों के लिए इनर लाइन परमिट की मांग करते-करते मणिपुर वाले भूल गए थे, 2019 में मोदी जी ने तय किया कि इनर लाइन परमिट मणिपुर को न देना मणिपुर के मूल निवासियों के साथ अन्याय है और मांगे बगैर इनर लाइन परमिट देने का काम किया।

अखिलेश ने पंचायत चुनाव को लेकर सरकार पर लगाए आरोप, बीजेपी ने किया पलटवार

लखनऊ।(एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि जो सरकार प्रदेश में पंचायत चुनाव नहीं करा पा रही है, 'वह प्रदेश का क्या चलाएगी?' इसपर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर पलटवार किया। यादव ने रविवार को ट्वीट किया, उप्र में भाजपा सरकार ने बिना नये चुनाव कराये ग्राम पंचायतें भंग कर दी हैं। बड़े-बड़े चुनाव तो हो रहे हैं लेकिन लोकतंत्र में जन प्रतिनिधित्व की सबसे छोटी इकाई के चुनावों के लिए सरकार अपने को अक्षम बता रही है, ऐसी सरकार उत्तर प्रदेश क्या चलाएगी। यादव ने कहा, भाजपा लोकतंत्र की बुनियाद पर चोट न करे। इस संदर्भ में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पंचायत चुनाव के

लिए प्रदेश प्रभारी बनाये गये विजय बहादुर पाठक ने से कहा अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहे हैं और वह जानते हैं कि तय समय पर चुनाव होने चाहिए, लेकिन उन्?हें यह भी जानना चाहिए कि कोविड प्रोटोकॉल के चलते चुनाव में देरी हो रही है।

पाठक ने कहा, सरकार छह माह के भीतर चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और उसकी तैयारी भी चल रही है। उन्होंने दावा किया, जो लोग लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई की दुहाई दे रहे हैं, उन्होंने इस इकाई को अपने निज स्वार्थ के लिए कैसे रौंदा है, यह सभी जानते हैं। भाजपा की लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था है। उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो गया। इससे पहले 23 दिसंबर को ही प्रदेश में पंचायती राज की निदेशककिंजल सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को परिपत्र जारी कर निर्देश दे दिया था कि 25 दिसंबर के बाद से ग्राम प्रधानों के खातों के संचालन पर रोक लगा दी जाए। इसके लिए सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को अपने विकास खंड के सभी ग्राम प्रधानों के खाता संचालन पर रोक लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। प्रदेश में इस समय करीब 58 हजार ग्राम सभाओं में ग्राम प्रधानों के पद खाली हो गये हैं और पिछले शनिवार से गांवों के विकास की जिम्मेदारी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को मिल गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले, किसानों को गुमराह करने की कोशिश नहीं होगी सफल

शिमला। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि नये कृषि कानूनों पर किसानों को गुमराह करने के प्रयास सफल नहीं होंगे। हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर नीत भाजपा सरकार के तीन साल पूरे होने के अवसर पर एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नये कृषि कानून किसानों की आय बढ़ाएंगे, लेकिन कांग्रेस उन्हें (किसानों को) गुमराह कर रही है। सिंह ने डिजिटल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब कभी कभी सुधार लागू किए जाते हैं, तब इसके सकारात्मक परिणाम दिखने शुरू होने में कुछ साल लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वह तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह द्वारा लाए गये 1991 के आर्थिक सुधार हों या फिर वापजेयी सरकार के दौरान लाए गए अन्य सुधार हों, उनके सकारात्मक परिणाम दिखने में चार-पांच साल लग गए।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''इसी तरह, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए कृषि सुधारों के सकारात्मक परिणामों को देखने के लिए यदि हम चार-पांच साल इंतजार नहीं कर सकते हैं, तो हम कम से कम दो साल तो इंतजार कर ही सकते हैं। '' नये कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर हजारों की संख्या में किसान करीब एक महीने से प्रदर्शन कर रहे हैं।

अशोक चव्हाण बोले, शिवसेना यूपीए का हिस्सा नहीं, गठबंधन महाराष्ट्र तक ही सीमित

मुंबई। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने रविवार को कहा कि शिवसेना संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का हिस्सा नहीं है और दोनों दलों के बीच गठबंधन महाराष्ट्र तक ही सीमित है। इससे पहले शनिवार को शिवसेना सांसद संजय राउत ने कांग्रेस नीत संप्रग के विस्तार की बात कही थी। महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग मंत्री चव्हाण ने संवाददाताओं से कहा कि ऐसे में शिवसेना को संप्रग के नेतृत्व को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। राज्य की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार का नेतृत्व शिवसेना कर रही है, जिसमें कांग्रेस और राकांपा भी शामिल है। उन्होंने कहा, शिवसेना को अभी संप्रग का हिस्सा बनना बाकी है।

महाराष्ट्र में सेना के साथ हमारा गठबंधन न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर आधारित है और महाराष्ट्र तक सीमित है। राउत ने कहा था कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार को संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत सभी दलों का समर्थन प्राप्त है, इस पर चव्हाण ने कहा कि संप्रग नेतृत्व के बारे में उद्धव ठाकरे नीत पार्टी को टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, शरद पवार ने स्वयं उन अटकलों को खारिज किया है कि वह संप्रग के अगले अध्यक्ष होंगे। संप्रग के सहयोगी दलों को सोनिया गांधी के नेतृत्व में पूरा भरोसा है। ऐसे में इस विषय पर चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने शनिवार को संप्रग का दायरा बढ़ाने का आह्वान किया था और कहा कि विपक्ष को केंद्र के 'तानाशाही रवैये' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और केंद्र सरकार के खिलाफ 'मजूबत विकल्प' देना चाहिए। उन्होंने कहा था, ''सभी विपक्षी पार्टियों को केंद्र सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ एकसाथ आना चाहिए। कमजोर विपक्ष लोकतंत्र के लिए खराब है।

जेपी नड्डा ने राहुल का पुराना वीडियो शेयर कर साधा निशाना, कहा- देश की जनता जान चुकी है आपका दोहरा चरित्र

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

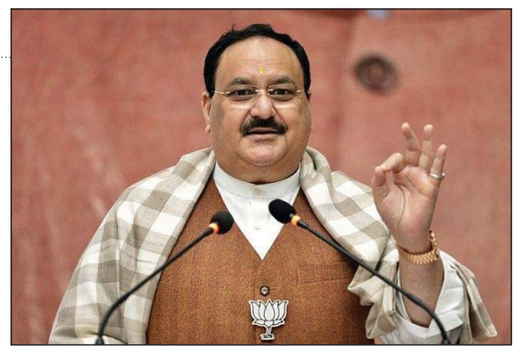

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए एक भाषण का पुराना वीडियो साझा किया और आरोप लगाया कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन पर वह ''राजनीति'' कर रहे हैं। एक मिनट और सात सेकेंड के इस वीडियो में राहुल गांधी किसानों को बिचौलियों से बचाने के लिए उन्हें उत्पादों को सीधे कारखानों में बेचने की आवश्यकता की वकालत करते दिख रहे हैं। नड्डा ने ट्वीट में कहा, ''ये क्या जादू हो रहा है राहुल जी? पहले आप जिस चीज की वकालत कर रहे थे, अब उसका ही विरोध कर रहे है। देश हित, किसान हित से आपका कुछ लेना-देना नहीं है। आपको सिर्फ राजनीति करनी है। लेकिन आपका दुर्भाग्य है कि अब आपका पाखंड नहीं चलेगा। देश की जनता और किसान आपका दोहरा चरित्र जान चुके हैं।'' ज्ञात हो कि सितंबर महीने में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ राजधानी दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर किसान संगठन पिछले एक महीने से प्रदर्शन कर रहे हैं। वे तीन कृषि कानूनों को पूरी तरह से रद्द करने और एमएसपी पर कानूनी गारंटी देने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस आंदोलन का समर्थन किया है जबकि सरकार ने इन नए कृषि कानूनों को बड़े सुधार के रूप में पेश किया है, जिसका मकसद किसानों की मदद करना है।

प्रदर्शनकारी किसानों की आशंका है कि इससे मंडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था खत्म हो जाएगी, जिससे उन्हें बड़े कॉरपोरेट की दया पर निर्भर रहना पड़ेगा। नड्डा ने जो वीडियो साझा किया है उसे देखकर लगता है कि वह तब की है जब राहुल गांधी अमेठी से सांसद थे। इस वीडियो में राहुल गांधी यह कहते सुने जा रहे हैं कि उनके अमेठी के दौरे के दौरान उनसे एक किसान ने पूछा कि क्या ''जादू'' है कि किसान दो रुपये प्रति किलो की दर से आलू बेचते हैं जबकि उनके बच्चे जो चिप्स खरीदते हैं, वह एक आलू का बना होता है और उसकी कीमत 10 रुपये होती है। वीडियो में राहुल किसानों से पूछते हैं कि उनके मुताबिक ऐसा क्यों होता है तो उन्होंने बताया कि चूंकि वे जहां रहते हैं, वहां से फैक्ट्रियां बहुत दूर होती हैं और यदि वे अपने उत्पादों को सीधे वहां बेच पाते तो उन्हें बिचौलियों को पैसे दिए बिना सारे पैसे मिल जाएंगे। वीडियो में राहुल गांधी आगे कहते हैं कि फूड पार्क बनाने के पीछे की सोच भी यही थी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहले कार्यकाल में अमेठी से फूड पार्क परियोजना को समाप्त करने का आरोप लगाया था। हालांकि, उस वक्त सरकार ने इस आरोप को यह कहते हुए खारिज किया था कि पार्क के लिए कभी जमीन ली ही नहीं गई थी।

स्मृति ईरानी ने कांग्रेस की गाय बचाओ-किसान बचाओ यात्रा पर दी तीखी प्रतिक्रिया

रायबरेली।(एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री और अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी ने रविवार को कांग्रेस की गाय बचाओ-किसान बचाओ यात्रा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जनता कांग्रेस की सच्चाई भली भांति जानती है। रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के छतोह (रायबरेली) विकास खंड के हाजीपुर गांव में पहुंची स्मृति ईरानी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, केरल में गौमाता की हत्या करने का उत्सव मनाने वाले कांग्रेस पदाधिकारियों की सच्चाई जनता भली-भांति जानती है। उन्होंने दावा किया, 'जिन लोगों ने स्वयं किसानों की जमीन हड़प कर आज तक कब्जा जमाया है और जिन लोगों ने केरल में अपने पदाधिकारियों के माध्यम से गौमाता की निर्मम हत्या करके पूरे देश में उसका इश्तेहार छपवा दिया उनकी असलियत छिपी नहीं है।

ईरानी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश की जनता इन लोगों को माफ करने वाली नहीं है। उत्तर प्रदेश की जनता यह अच्छी तरह जानती है कि गौमाता के संरक्षण में भारतीय जनता पार्टी ने कितना काम किया है। जनता यह भी जानती है कि गौमाता की हत्या करने का उत्सव कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने मनाया है।' ईरानी ने कहा, 'मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहती हूं कि गौमाता की हत्या के बाद कांग्रेस पार्टी के आलाकमान ने ऐसे लोगों का प्रोत्साहन किया है और मेरा मानना है कि कांग्रेस पार्टी की सच्चाई जनता

भली-भांति जानती है।' ईरानी ने छतोह प्रखंड के हाजीपुर गांव में पहुंचकर ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस दौरान वह महिलाओं के बीच बैठी रहीं और कार्यक्रम के बाद उन्होंने महिलाओं से समस्याएं पूछी और उसके निराकरण का भरोसा दिया। ईरानी ने इस मौके पर प्रधानमंत्री के कार्यों की सराहना की।

नई तकनीक से पाकिस्तान के आतंकवादियों और ड्रग्स तस्करों से निपटेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जल्द ही एक नवीनतम तकनीक से लैस होगा। इसका इस्तेमाल पाकिस्तान के आतंकवादियों और पश्चिमी क्षेत्र में हथियारों और ड्रग्स की तस्करी से निपटने के लिए किया जाएगा। 'काउंटर ड्रोन सॉल्यूशंस' के बारे में निष्कर्ष परिणाम उस अवैध गतिविधि से छुटकारा पाने की प्रक्रिया के तहत हैं, जिसके बारे में खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि यह आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकता है।

ड्रोन के लिंक को तोड़ने को एंटी-रेडियो फ्रीक्वेंसी ट्रांसमिशन सिस्टम विकसित होगा

एक सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के उड़ाए गए ड्रोन के लिंक को तोड़कर खतरे को नियंत्रित करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद के लिए एक एंटी-रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) ट्रांसमिशन सिस्टम विकसित किया जा रहा है। लाइव ट्रायल शुरू कर दिया गया है और दूसरा पायलट रन बस अभी खत्म हुआ है। हम अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं, जिसे हम जल्द ही गृह मंत्रालय को सौंपेंगे। सॉल्यूशन टेस्टिंग से लेकर ड्रोन डिटेक्शन और टारगेट सिस्टम तक, सभी पहलुओं को कवर किया जा रहा है।

सिस्टम को समझाते हुए, एक अन्य सूत्र ने कहा, 'ड्रोन को दूर से नियंत्रित करने के लिए, आपको इसे वायरलेसली कम्युनिकेट करना होगा। रेडियो फ्रीक्वेंसी तरंग इन ड्रोनों को दूर से नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम पर एक अदृश्य तरंग रूप है। रेडियो फ्रीक्वेंसी को ब्रेक करने के लिए एक सिस्टम विकसित की जा रही है।' सूत्र ने कहा कि रेडियो फ्रीक्वेंसी 'आइडेंटिफिकेशन' सिस्टम फ्रीक्वेंसी को कैप्चर करने में मदद करेगा और इसे यहां से कंट्रोल करेगा या दूसरी तरफ से इसका कनेक्शन तोड़ देगा।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि ड्रोन तकनीक में अपार संभावनाएं हैं और नीति आयोग के अनुसार अगले 15 वर्षों में इस सेक्टर के 50 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'चूंकि भारत में हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, इसलिए आंतरिक सुरक्षा और अन्य पहलुओं को देखते हुए जल्द समाधान निकालना समय की जरूरत है।

हाल के दिनों में आतंकवादियों और उनके हैंडलर्स द्वारा भारतीय सीमा के हिस्से वाले अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हथियारों आदि को गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल खूब किया जा रहा है। गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में बीएसएफ अब इस खतरे का स्थायी समाधान खोजने की कोशिश कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)